PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 275 ● भिलाई, बुधवार 13 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

दिल्ली में असम और नागालैंड की 2 युवतियों से मारपीट और अभद्रता

नईदिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर पूर्वोत्तर की युवतियों से नस्लीय भेदभाव का मामला सामने आया है। इस बार नेहरू प्लेस इलाके में असम और नागालैंड की युवतियों को निशाना बनाया गया है। घटना रविवार 10 मई की बताई जा रही है। युवतियों ने आरोप लगाया कि सुबह दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के इरोस होटल के पास चाय पीते समय उनके साथ छेड़छाड़ की गई और नस्लवादी टिप्पणियां की गईं। पुलिस ने युवतियों की शिकायत पर 4 युवकों की पहचान की है। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम को एक युवती अपनी दोस्त के साथ नेहरू प्लेस में इरोस होटल के पास चाय पीने पहुंची थीं, तभी कुछ युवकों ने उन पर अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की। युवतियों के बहस के बाद मामला बढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब दोनों ने मौके से निकलने की कोशिश की तो उन पर युवकों ने बांस की छड़ी से हमला किया और उनके कपड़े फाड़े।

दिल्ली में युवक की बेरहमी से हत्या

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के थाना प्रेम नगर क्षेत्र से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक दोस्त पर अपने ही दोस्त की हत्या का आरोप लगा है. आरोप है कि मृतक को उसके ही दोस्त ने एक महिला मित्र के घर बुलाया और फिर गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया. पुलिस ने मामले में तेजी से कार्रवाई कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक की पहचान मनीष के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि मनीष अपने घर पर बैठा हुआ था, तभी उसके दोस्त राज का फोन आया. राज ने मनीष को अपनी महिला मित्र के घर बुलाया. मनीष अपने परिजनों को सिर्फ दस मिनट में लौटने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिवार वालों की चिंता बढ़ गई. इसके बाद मनीष के पिता अपने बेटे की तलाश में निकल पड़े, लेकिन उसका कहीं कोई सुराग नहीं मिला. पूरी रात खोजबीन चलती रही. अगले दिन सुबह परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जब पुलिस द्वारा सूचना दी गई कि मनीष की गला रेतकर हत्या कर दी गई है।

मनोज कुमार अग्रवाल बने बंगाल के नए मुख्य सचिव

कोलकाता। बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। बता दें कि उन्होंने गत विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। मनोज अग्रवाल वेस्ट बंगाल कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के तौर पर उन्हीं की निगरानी में विधानसभा चुनाव संपन्न हुआ था। पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया, %मनोज कुमार अग्रवाल को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव बनाया गया है, इस नियुक्ति से पहले वे राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और गृह विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत थे। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होता है और अगले आदेश तक वे इस पद पर बने रहेंगे।

नीट-यूजी परीक्षा रद्द

सीबीआई करेगी पेपर लीक की जांच,इसी महीने हुआ था एग्जाम

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी खबर सामने आई है। नीट-यूजी परीक्षा-2026 रद्द हो गई है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने पेपर लीक विवाद के कारण नीट-यूजी परीक्षा रद्द कर दी है। पेपर लीक की जांच सीबीआई करेगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसीने कहा है कि नई परीक्षा की तारीख जल्द घोषित की जाएगी। दावा किया जा रहा था कि एग्जाम के 125 सवाल हूबहू गेस पेपर से मेल खा रहे थे। इसके बाद एनटीए ने परीक्षा को रद्द कर दिया है। एजेंसी ने जारी बयान में कहा कि 3 मई 2026 को आयोजित हुई नीट यूजी परीक्षा अब दोबारा कराई जाएगी। नई परीक्षा की तारीखें जल्द घोषित की जाएगी एनटीए ने 3 मई को देशभर में नीट यूजी 2026 का आयोजन किया था, जिसमें पूरे देश से 22 लाख से अधिक कैंडिडेट्स नीट यूजी 2026 एग्जाम में शामिल हुए थे। एनटीए ने कहा कि 10 मई 2026 की प्रेस रिलीज के क्रम में यह फैसला लिया गया है। एजेंसी के मुताबिक, 8 मई को परीक्षा से जुड़े मामलों को स्वतंत्र जांच और जरूरी कार्रवाई के लिए केंद्रीय एजेंसियों को भेजा गया था। इसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से मिले इनपुट और जांच रिपोर्ट की समीक्षा की गई।

पेपर लीक होने को लेकर सीबीआई जांच के भी आदेश दिए गए। एजेंसी ने कहा कि एग्जाम सिस्टम में पारदर्शिता बनाए रखने और निष्पक्ष व विश्वसनीय परीक्षा तय करने के लिए यह कदम उठाया गया है। एनटीए के अनुसार, अब नीट यूजी 2026 परीक्षा दोबारा आयोजित की जाएगी। नीट-यूजी परीक्षा-2026 पेपर लीक का मामला राजस्थान के सीकर से आया था। मामले की जांच राजस्थान पुलिस एसओजी कर रही है। एसओजी शुरुआत में मान रही थी कि नीट यूजी पेपर लीक नहीं हुआ थाय् हालांकि एसओजी ने स्वीकारा था कि नीट यूजी 2026 गेस पेपर एग्जाम से पहले वायरल हुआ था, जिससे सवाल मेन एग्जाम में आए थे। सूत्रों के मुताबिक परीक्षा के प्रश्न पत्र छपने से पहले ही कुछ सवाल एक गैंग तक पहुंच गए थे। बताया जा रहा है कि बायोलॉजी के करीब 90 और केमिस्ट्री के 35 सवाल परीक्षा से पहले ही बाहर आ चुके थे। नीट एग्जाम में हूबहू यही सवाल आए थे। इस तरह कुल 120 सवाल पहले ही बाहर आ चुके थे। जबकि नीट यूजी में कुल 180 सवाल पूछे जाते हैं। एसओजी नेमामले में जयपुर से मनीष नाम के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया हैय् जांच एजेंसी उसे इस पूरे नेटवर्क का मुख्य संचालक मान रही है। उसके मोबाइल, कॉल रिकॉर्ड और संपर्कों की गहराई से जांच की जा रही है।

यह केवल नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध-राहुल गांधी

नीट यूजी 2026 की परीक्षा रद्द होने पर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि 22 लाख से ज्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया। राहुल गांधी ने कहा कि किसी पिता ने कर्ज लिया, किसी माँ ने गहने बेचे, लाखों बच्चों ने रात-रात भर जागकर पढ़ाई की और बदले में मिला, पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा में संगठित भ्रष्टाचार। राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सिर्फ़नाकामी नहीं, युवाओं के भविष्य के साथ अपराध है। हर बार पेपर माफिया बच निकलते है और ईमानदार छात्र सज़ा भुगतते हैं। उन्होंने कहा कि अब लाखों छात्र फिर से वही मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता झेलेंगे। अगर अपनी तकदीर परिश्रम से नहीं, पैसे और पहुँच से तय होगा, तो फिर शिक्षा का मतलब क्या रह जाएगा? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का तथाकथित अमृतकाल, देश के लिए विषकाल बन गया है।

एनडीए के तीसरे कार्यकाल का भव्य आगाज

हिमंता बिस्वा सरमा दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली....

नई दिल्ली/ एजेंसी

असम में हिमंता बिस्वा सरमा ने दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए 126 में से 102 सीटों पर कब्जा जमाया था। खास बात यह रही कि असम में लगातार तीसरी बार एनडीए सरकार बनी है। हिमंता राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी नेता बन गए हैं जिन्होंने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाला। गुवाहाटी में हुए भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े एनडीए नेता शामिल हुए। सोशल मीडिया पर भी दूसरी बार, हिमंता सरकार और ह्यह्वद्बद्ग ह्ल 3.0 तेजी से ट्रेंड करता रहा। चुनाव जीत के बाद हिमंता ने साफ कहा कि पहला कार्यकाल सिर्फ ट्रेलर था, जबकि अब असम में विकास और बड़े फैसलों की पूरी तस्वीर दिखाई जाएगी। गुवाहाटी के खानापारा के एक मैदान में आयोजित भव्य समारोह में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें और उनके नए मंत्रिपरिषद को शपथ दिलाई। इसी के साथ राज्य में भारतीय जनता पार्टी के लगातार तीसरे कार्यकाल की आधिकारिक शुरुआत हो गई है। शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा की अजंता नियोग, रामेश्वर तेली, अगप प्रमुख अतुल बोरा और बीपीएफ के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा, पूर्व मंत्री रंजीत कुमार दास को विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए राजग का उम्मीदवार घोषित किया गया है। इस ऐतिहासिक पल के गवाह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, और निर्मला सीतारमण जैसे दिग्गज नेता बने।

ईरान के परमाणु ठिकाने तबाह !

न्यूक्लियर डस्ट निकालने की भी क्षमता नहीं बची

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों को लेकर बड़ा दावा सामने आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि ईरान के परमाणु केंद्र इतने बुरी तरह नष्ट हो चुके हैं कि वहां से रेडियोएक्टिव सामग्री यानी 'न्यूक्लियर डस्ट' निकालना भी अब उसके लिए संभव नहीं रह गया है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने दावा किया कि ईरानी अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि भारी बमबारी के कारण परमाणु सामग्री जमीन के बेहद गहरे हिस्सों में दब चुकी है। उनके अनुसार, ईरान के पास अब उसे सुरक्षित बाहर निकालने की तकनीकी और ऑपरेशनल क्षमता नहीं बची है। ट्रंप ने साफ कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि आगे की कार्रवाई को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है और यह आने वाली रणनीतिक बातचीत तथा संभावित समझौतों पर निर्भर करेगा। उन्होंने संकेत दिए कि अमेरिकी प्रशासन ईरान को लेकर कई सैन्य और कूटनीतिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिकी सेना के वरिष्ठ जनरलों का एक बड़ा समूह अगले आदेश का इंतजार कर रहा है।

ईरान के युद्धविराम प्रस्ताव को भी किया खारिज

रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा था, लेकिन ट्रंप ने उसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए ठुकरा दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा: मैंने ईरान के तथाकथित प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। ट्रंप ने ईरान पर दशकों से अमेरिका के साथ खेल खेलने का आरोप भी लगाया और कहा कि अब हालात बदल चुके हैं।

रुद्रप्रयाग में दो हेलीकॉप्टरों की इमरजेंसी लैंडिंग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ क्षेत्र में अचानक मौसम खराब होने और घना कोहरा छाने एवं धुंध के कारण सोमवार को दो हेलिकॉप्टरों को एहतियातन अगस्त्यमुनि मैदान स्थित हेलिपैड पर आकस्मिक उतारना पड़ा। जानकारी के अनुसार हिमालयन हेली सेवा का एक हेलिकॉप्टर श्री बदरीनाथ से सेरसी की ओर जा रहा था जबकि इंडो कॉप्टर कंपनी का दूसरे हेलिकॉप्टर ने सहस्त्रधारा से फाटा के लिए उड़ान भरी थी। गुप्तकाशी एवं ऊखीमठ क्षेत्र में दृश्यता कम होने के कारण दोनों पायलटों ने यहां सुरक्षित लैंडिंग का निर्णय लिया।

आगरा में बड़ा हादसा

यमुना में डुबकी लगाते छह युवक-युवतियां और किशोर चार की मौत;परिजनों में मचा कोहराम..

आगरा। आगरा के बल्केश्वर घाट पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भीषण गर्मी में यमुना में डुबकी लगाने के लिए कूदे छह युवक-युवतियां संग एक किशोर डूब गया। इन सभी को एक साथ डूबते हुए देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद पांच युवक-युवतियों को यमुना से बाहर निकाल लिया गया। इनमें से हालत गंभीर होने पर तीन को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां दो युवक और एक युवती की मौत हो गई। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उनका रो-रोकर हाल बेहाल है। वहीं यमुना में दो घंटे की तलाश के बाद किशोर की भी लाश मिल गई। किशोर के शव को

देख परिजनों में चीख पुकार मच गई। डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि यमुना में नहाने के लिए 19 वर्षीय महक पुत्री कालीचरण, 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रिंकू सिंह, 20 वर्षीय अंशु पुत्री कालीचरण निवासी कुंजनपुर, थाना सादाबाद और 17 वर्षीय रिया पुत्री मनोज, 11 वर्षीय विक्की पुत्र राकेश आए थे। डीसीपी ने बताया कि महक , रिया ,कान्हा, काजल, अंशु को यमुना नदी से बाहर निकाल लिया गया है। इन सभी को उपचार के लिए एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया, जहां उपचार के दौरान कान्हा, महक और रिया की मौत हो गई।

विश्व नर्सिंग दिवस पर 12 मई मंगलवार को एस आर हॉस्पिटल एंड कॉलेज चिखली में केक काट कर इस दिन को यादगार बनाया गया। इस अवसर पर डॉक्टर्स और नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पेट्रोल-डीजल वाली अपील के बाद राजनाथ

मैं लोगों से शांत रहने की अपील करता हूं..

नई दिल्ली। ईरान अमेरिका और इजरायल युद्ध से विश्व में पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच पीएम मोदी ने सोमवार को लोगों से सोच समझकर पेट्रोल- डीजल का इस्तेमाल करने की अपील की। साथ ही उन्होंने सोना खरीदने से भी परहेज करने को कहा। उनकी इस अपील के बाद देश के भीतर एक हड़बड़ाहट लोगों में देखी गई। जगह-जगह पेट्रोल पम्पों पर भारी भीड़ देखने को मिलने लगी। ऐसे में सर्कार ने साफ कहा है कि देश के भीतर संसाधनों की कोई कमी नहीं है। पीएम की अपील अच्छी भावना के साथ की गई थी। इस बीच ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और जरूरी वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता की समीक्षा को लेकर आज मंत्रियों के समूह की पांचवीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में देश में आवश्यक वस्तुओं और ऊर्जा आपूर्ति पर संभावित जोखिमों का आकलन किया गया। इस बैठक में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए।

सीएम ने की मृतकों को 5-5 लाख मुआवजा की घोषणा

सिलेंडर ब्लास्ट से एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जले..

दुर्ग। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मंगलवार दोपहर सिलेंडर ब्लास्ट होने से एक ही परिवार के चार लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई। मृतकों में 2 बहनें, पिता और एक डेढ़ साल की बच्ची शामिल है। पूरा मामला कुम्हारी थाना क्षेत्र के खपरी गांव का है। इस हादसे पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शोक जताया है और मृतकों के परिजन को 5-5 लाख रुपए और जिला प्रशासन ने 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की है। हादसे के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मृतक के परिजनों से मुलाकात की और इस घटना पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि सीएम के निर्देश पर दुर्ग कलेक्टर को इस पूरी घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। जानकारी के मुताबिक बिजली खंभे में शॉर्ट सर्किट से मकान में आग लगी। खंभे के नीचे घर के प्लास्टिक और तिरपाल से बने छप्पर में लगी आग फैलते हुए कीचन तक जा पहुंची, जिससे गैस सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि आग की लपटों ने पूरे मकान को चपेट में ले लिया। घर के अंदर मौजूद परिवार के सदस्य बाहर निकल नहीं सके और जिंदा जल गए। आसपास के लोगों ने धमाके की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग काफी फैल हो

चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। घर के अंदर से 4 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। घटना की सूचना पर सांसद विजय बघेल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, एसएसपी विजय अग्रवाल, कलेक्टर अभिजीत सिंह और जिला प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिस वक्त हादसा हुआ, उस समय घर में 2 बहनें चांदनी वैष्णव (18 वर्ष), लक्ष्मी वैष्णव (20 वर्ष) और डेढ़ साल की गोपिका वैष्णव भी मौजूद थीं। घर में दोनों बहनों के पिता अनिल वैष्णव (45 वर्ष) भी मौजूद थे। हादसा इतना भयावह था कि चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के शव को पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं अनिल वैष्णव की पत्नी, बेटा और एक बेटी घर के बाहर थे, जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि, बाहर मौजूद बेटी की डेढ़ साल की मासूम बच्ची घर के अंदर थी, जिसको भी आग में जलकर मौत हो गई।

CMYK

सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तायुक्त ढंग से शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित की जाए : कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के कार्यों की समीक्षा की

बालोद। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम जनता से प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तायुक्त ढंग से शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर दिव्या मिश्रा संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में उपस्थित सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित की जाने वाली जनसमस्या निवारण शिविर के सफल आयोजन एवं इस दौरान आम जनता से प्राप्त आवेदनों के निराकरण के स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुशासन तिहार एवं जनसमस्या निवारण शिविरों के सफल आयोजन हेतु पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने तथा ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए सभी जनसमस्या निवारण शिविरों में पर्याप्त मात्रा में कूलर आदि के अलावा आम जनता के लिए शीतल पेयजल, समुचित बैठक व्यवस्था सहित सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के संबंध में अधिसूचना जारी होने के पश्चात् जिले के नगर पंचायत पलारी एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में पंच एवं सरपंच पद हेतु मई माह में संपन्न होने वाली उप निर्वाचन के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि नगर पंचायत पलारी के अलावा जिले के जिन ग्राम पंचायतों में पंच एवं सरपंच पद हेतु उप निर्वाचन संपन्न होना है उन्हें सुशासन तिहार से पृथक रखा जाएगा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को इस बात विशेष ध्यान रखने को कहा कि इन सभी स्थानों पर आदर्श आचार संहिता का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित हो। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं नूतन कंवर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुस्तैद एवं सजग रहकर सुशासन तिहार के कार्यों का करें संपादन

बैठक में उन्होंने सुशासन तिहार के अंतर्गत विभागवार प्राप्त आवेदनों की निराकरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत आम जनता से प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से युक्तियुक्त निराकरण सुनिश्चित की जाए। बालोद जिले में सुशासन तिहार के दौरान आम जनता से प्राप्त आवेदनों की निराकरण की स्थिति समुचित होने पर कलेक्टर ने सराहना की। उन्होंने सभी विभाग के अधिकारियों को पूरे समय मुस्तैद एवं सजग रहकर सुशासन तिहार के कार्यों का संपादन करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविरों के आयोजन के दौरान बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए आम जनता के सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रत्येक जनसमस्या निवारण शिविर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में प्रावीण्य सूची में स्थान बनाने वाले मेधावी विद्यार्थियों के अलावा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम वाले संस्थाओं के शिक्षकों को सम्मानित करने हेतु जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पूरी निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का करें निर्वहन

बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन हेतु 8 मई को अधिसूचना जारी किए जाने के पश्चात् संपूर्ण राज्य के साथ-साथ जिले के नगर पंचायत पलारी एवं संबंधित ग्राम पंचायतों में भी आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने की जानकारी दी। उन्होंने संबंधित नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायतों में आदर्श आचार संहिता का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने नगर पंचायत पलारी के अलावा जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच एवं पंच पद हेतु उप चुनाव संपन्न होना है इन्हें सुशासन तिहार से पूरी तरह मुक्त रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी नोडल एवं संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने प्रभार वाले कलस्टर में आयोजित होने वाले जनसमस्या निवारण शिविर के आयोजन के दौरान भी इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि संबंधित कलस्टर में उप निर्वाचन वाले ग्राम पंचायतों का नाम शामिल होने पर संबंधित ग्राम पंचायत को सुशासन तिहार से मुक्त रखने हेतु त्वरित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने उप निर्वाचन वाले ग्राम पंचायतों में किसी भी स्थिति में निर्माण कार्यों की स्वीकृति के अलावा कार्य प्रारंभ तथा लोकार्पण एवं भूमिपूजन का कार्य आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने पर बिल्कुल भी नही कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले के सभी अधिकारी-कर्मचारियों को राज्य निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए उप निर्वाचन वाले क्षेत्रों में पूरी निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने नवीन प्रतिष्ठान मुस्कान होटल का शुभारंभ कर दी शुभकामनाएं

न.पा. अध्यक्ष अशोक जैन, पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा, सहित नगर के व्यापारी उपस्थित थे

बलौदाबाजार। स्थानीय गार्डन चौक में नवीन प्रतिष्ठान मुस्कान होटल एण्ड रेस्टोरेंट का मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा के द्वारा पूजा अर्चना एवं फीता काटकर शुभारंभ किया गया इस दौरान विशेष अतिथि अशोक जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलौदा बाजार एवं प्रदेश प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा उपस्थित थे। आयोजित कार्यक्रम में विधिवत पूजा अर्चना कर होटल मुस्कान के संचालक बृजेश मिश्रा व परिवार जनों को शुभकामनाएं दी गई, होटल शुभारंभ के अवसर पर यह भी अपेक्षा की गई की नगरवासियों को शुद्धता व पौष्टिक आहार प्राप्त होने यह प्रतिष्ठान नगर वासियों के लिए बेहतर सुविधा एवं साधन उपलब्ध करायेगी, होटल मुस्कान के शुभारंभ के अवसर पर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, पत्रकार नीरज बाजपेई, नगर पालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महले, पार्षद एवं सभापति जितेंद्र डड़सेना, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष प्रणय पांडे, पार्षद गौतम सिंह चौहान,पार्षद प्रतिनिधि शशि भूषण शुक्ला, भाजपा नेता योगेश अग्रवाल, नरेश केसरवानी, सुयश अग्रवाल, नवनीत अग्रवाल, तरुण वर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष रवि वर्मा, अनुरोध साहू, सहित अन्य व्यापारी गण एवं मिश्रा परिवार के साथ नगर के गणमान्य नगरीकगण उपस्थित थे।

शराब दुकान में 'मसाला' और 'प्लेन' गायब, मजदूर वर्ग की जेब पर डाका

सस्ते ब्रांड की किल्लत से अंग्रेजी पीने को मजबूर हुए लोग; कोचियों को हो रही भारी सप्लाई

तिल्दा-नेवरा । स्थानीय देशी शराब दुकान में पिछले कुछ समय से 'मसाला' और 'प्लेन' शराब की भारी किल्लत देखी जा रही है। इसका सीधा असर क्षेत्र के मजदूर वर्ग और कम आय वाले लोगों पर पड़ रहा है। दुकान में सस्ती शराब उपलब्ध न होने के कारण उपभोक्ताओं को मजबूरी में महंगी अंग्रेजी शराब खरीदनी पड़ रही है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है।

मजदूरों की जेब पर अतिरिक्त बोझ- क्षेत्र के मजदूरों का कहना है कि वे दिन भर कड़ी मेहनत करने के बाद अपनी क्षमता के अनुसार देशी शराब खरीदने दुकान पहुँचते हैं, लेकिन वहां स्टॉक खत्म होने का बोर्ड लगा दिया जाता है या सेल्समैन द्वारा स्टॉक नहीं होने की बात कही जाती है। ऐसे में विकल्प न होने के कारण उन्हें अपनी जेब ढीली कर ऊंचे दामों पर अंग्रेजी शराब लेनी पड़ती है। स्थानीय लोगों ने इसे -गरीबों की जेब पर सीधा डाका- करार दिया है।

कोचियों के साथ 'सेटिंग' का खेल- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दुकान में जो थोड़ा-बहुत स्टॉक आता भी है, उसे आम उपभोक्ताओं को देने के बजाय अवैध रूप से शराब बेचने वाले 'कोचियों' को बांट दिया जाता है। आरोप है कि आबकारी विभाग के कर्मचारियों और शराब दुकान के सेल्समैन की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है। कोचिए इसी शराब को बाद में गांवों और गलियों में ऊंचे दामों पर (ब्लैक में) बेचते हैं। -जब हम लाइन में लगते हैं तो शराब खत्म हो जाती है, लेकिन रात के अंधेरे में कोचियों की गाड़ियों में पेटियां भर-भर कर लोड की जाती है। यह प्रशासन की नाक के नीचे हो रहा भ्रष्टाचार है।-

– एक स्थानीय पीड़ित उपभोक्ता

प्रशासनिक मौन पर सवाल

शराब दुकान में चल रही इस अव्यवस्था और कालाबाजारी को लेकर क्षेत्र में भारी रोष है। आखिर क्यों विभाग के अनुसार देशी शराब की सप्लाई सुनिश्चित नहीं की जा रही है? क्या यह कृत्रिम किल्लत जानबूझकर अंग्रेजी शराब की बिक्री बढ़ाने और कोचियों को फायदा पहुँचाने के लिए पैदा की गई है?क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि आबकारी विभाग इस मामले की जांच करे और शराब की निर्बाध सप्लाई सुनिश्चित की जाए, ताकि मजदूरों का शोषण बंद हो सके।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बेमेतरा में शुभारंभ

बेमेतरा। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग बेमेतरा का शुभारंभ जिला मुख्यालय पर स्थित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर कोबिया में न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया अध्यक्ष, छ.ग. राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग रायपुर द्वारा किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद कुमार सिंघल अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, बेमेतरा (छ.ग.) ने किया जहां पर न्यायमूर्ति गौतम चौरड़िया ने कहा कि न्याय प्रशासन जनता के लिए जिम्मेदार है इसलिए, उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में शीघ्र न्याय मिले ऐसा प्रयास होना चाहिए शुरुआत अच्छी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनके ज्वाइन के पद ग्रहण के समय लगभग दस हजार से अधिक मामले थे जो अब घटकर पांच हजार के करीब है उन्होंने अधिवक्ताओं से आग्रह करते हुए कहा कि जनता को शीघ्र सरल और सुगमता से न्याय मिले लोक भावनाओं के अनुरूप कार्य करें कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आनंद कुमार सिंघल अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, बेमेतरा कहा कि जिला के उपभोक्ताओं को सस्ता सुलभ न्याय मिले यहीं कामना है कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई ने कहा कि लोग उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग दुर होने से अपने विवाद को सुलझाने के लिए हिचकिचाते थे लेकिन अब यहां शुरू होने से उपभोक्ताओं के लिए वरदान साबित होगा समारोह में अतिथियों को शाल स्मृति चिन्ह भेंट किए। श्रीनिवास तिवारी (उच्चतर न्यायिक सेवा) रजिस्ट्रार, छ.ग. राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग रायपुर ने आभार व्यक्त किया संचालन अधिवक्ता विनय किशोर ने किया।

रेलवे ईस्टिट्यूट दल्ली राजहरा के द्वारा आयोजित हो रहा है निःशुल्क समर कैंप

दल्ली राजहरा। रेलवे ईंस्टिट्यूट दल्ली राजहरा के द्वारा समर कैंप का आयोजन 1 मई से 30 मई तक आयोजित किया जा रहा है। इस समरकैंप के मुख्य कोच एडवर्ड स्टीफन सहायक सचिव रेलवे ईस्टिट्यूट ने बताया कि समय कैंप में अब तक 280 बच्चों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। समर कैंप के माध्यम से बच्चों को शारीरिक, मानसिक बौद्धिक विकास के साथ-साथ उनके प्रतिभा को निखारने का योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है। यहां ब्रह्म कुमारी बहनों के द्वारा भी आकर उनका मैडिटेशन किया जाता है। लड़कियों के लिए भी गुड टच बेड टच की जानकारी दी जाती है। पिछले वर्ष साइबर सेल के द्वारा भी बच्चों को आकर जानकारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि समर कैंप का आयोजन रेलवे ईंस्टिट्यूट के द्वारा एक माह के लिए निःशुल्क किया जाता है। यह आयोजन 2023 से रेलवे ग्राउंड में किया जा रहा है। यह चौथा साल है इसलिए इसे समर कैंप सीजन 4 का नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि आजकल बच्चों को साधन और जगह उपलब्ध नहीं हो पाता इसलिए वे खेल से बहुत दूर होते जा रहे हैं। बच्चे मोबाइल और टीवी के आदी होते जा रहे हैं इसमें वे अपना समय वे बर्बाद करते हैं। जिसके कारण बच्चों को फिजिकल विकास नहीं हो पाता। हमारे रेलवे के इंस्टीट्यूट द्वारा यह सोच लाया गया कि किसी प्रकार से बच्चे यहां पर आए और किसी भी खेल हो चाहे कबडडी हो क्रिकेट, फुटबॉल या फिजिकल एक्सरसाइज जो भी हो उसे खेलें। हम सुबह 5:30 बजे यहां उन्हें बुलाते हैं उसके बाद हम बच्चों को दौड़ाते है जब तक उनका शरीर गर्म ना हो जाए। उसके बाद जो जिस खेल में इच्छा रखता है वह उसे खेल को खेलते हैं। फुटबॉल कबड्डी या फिजिकल गेम सारे खेल यहां पर आयोजित होते हैं। सभी खेल के लिए हमारे पास अलग-अलग ट्रेनर नि :शुल्क सेवा दे रहे हैं।

जिसमें खो खो के लिए बबलू दर्रो, कबडडी में धन सिंह, महिला कबड्डी के लिए प्रवीण साहू, महिला कबड्डी खेमबती साहू फिजिकल ट्रेनिंग दे रहे हैं छोटे-छोटे बच्चे जो किसी भी खेल में शामिल नहीं हो पाते उनको लेकर इंडोर आउटडोर जैसे खेल कराती है क्रिकेट में अजमेर सिंह बच्चों को क्रिकेट की बारीकी सिखा रहे हैं और फुटबॉल में मोहम्मद फिरोज और हेमंत बच्चों को ट्रेड करते हैं। ग्राउंड तो बहुत छोटा है लेकिन किसी भी तरह बच्चों को मैनेज करना पड़ता है। हमारे इंस्टीट्यूट के सहयोग से हम इन बच्चों को समय-समय पर इनको नाश्ता में रोज गुड़, चना तो देते भी हैं और बीच में दूध की भी व्यवस्था होती है। कोई यदि समान डोनेट कर देते हैं तो वहां भी हम बच्चों को उपलब्ध कराते हैं। बिस्कुट की भी व्यवस्था करते है किसी बच्चे का जन्मदिन हो तो उसे भी यहां उनके परिवार के सहयोग से सेलिब्रेट करते हैं। आप वॉटरफॉल वगैरा गए हैं तो वहां बच्चों के लिए गेम होता है। वाटर गेम उसको हम लोग यहां पर बिना पानी के करवाते हैं। जिससे यहां सप्ताह में एक दिन शनिवार को बच्चों के लिए आयोजित करते हैं। इसे बच्चे भी खूब इंजॉय करते हैं। इनके अलावा एजुकेशन ट्रेनिंग भी देते हैं जैसे आज के बच्चे प्रतियोगिता में जाते हैं तो कम समय में सवालों को कैसे बनाना होता है यह ट्रिक उनको अलग से क्लास शाम को आयोजित कर देते हैं और जो बच्चे इस परीक्षा में जाना चाहते हैं वह इंटरेस्ट लेते हैं वह पूरा-पूरा समय देते हैं। लगभग 50 बच्चे शाम को आते हैं शाम को 5 बजे से 6:30 तक क्लास लेते हैं और बीच में बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिता भी रखते हैं जो बच्चे के प्रतियोगिता में शामिल होना चाहते हैं उनके लिए आयोजित होती है। ड्राइंग कंप्टीशन भी यहां पर आयोजित होती है।कभी-कभी रंगोली कभी आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है बच्चे इस समर कैंप में बढ़ते जा रहे हैं।

बगल में हमारे पास एक ग्राउंड है जो अभी अनुपयोगी है यदि बीएसपी प्रशासन या नगर पालिका की ओर से उसे डेवलप कर दिया जाए तो हमारे बच्चों को खेलने के लिए एक बड़ा मैदान अलग से और मिल जाएगा। इस संबंध में जब पार्षद टी. ज्योति से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मैं नगरपालिका अध्यक्ष से चर्चा की थी एक बार और प्रयास करूंगी ग्राउंड को डेवलप करने के लिए अभी तक रेलवे इंस्टीट्यूट को संवारने के लिए मैंने बहुत प्रयास किया है ओपन जिम लगाया है। ईस्टिट्यूट में टाइल्स भी लगाया है। तोरण लाल साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद दल्ली राजहरा ने कहा कि रेलवे ईस्टिट्यूट के द्वारा नगर के बच्चों को बौद्धिक शारीरिक मानसिक विकास के लिए जो ट्रेनिंग दी जा रही है वह बहुत ही बेहतरीन है। ग्राउंड को डेवलप करने की मांग जो की गई है उसके लिए मैं अतिशीघ्र बीएसपी प्रशासन से बात कर प्रयास करूंगा कि जल्द से जल्द ग्राउंड बन जाए और बच्चों को इसका लाभ मिल सके।

दुर्ग में देर रात खूनी संघर्ष : युवक की चाकू गोदकर हत्या, दो साथी गंभीर रूप से घायल; इलाके में दहशत

दुर्ग। दुर्ग के कोतवाली थाना क्षेत्र में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। केजू राइस मिल के पास अज्ञात हमलावरों ने तीन युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

देर रात 2 बजे हुआ हमला- मिली जानकारी के अनुसार, राजीव नगर निवासी जितेश ठाकुर (20 वर्ष) अपने साथियों राहुल ठाकुर और नेहरू ठाकुर के साथ रात करीब 2 बजे केजू राइस मिल के पास मौजूद था। इसी दौरान अज्ञात आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में जितेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राहुल और नेहरू गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उपचार जारी है।

CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस- वारदात की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं। आरोपियों की पहचान के लिए क्षेत्र में लगे इष्टअड्ढ कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस को शक है कि यह हमला किसी पुरानी रंजिश का परिणाम हो सकता है।

संदिग्ध हिरासत में- पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस घटना के बाद से राजीव नगर इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की सांस्कृतिक धरोहरों को दिलाई वैश्विक पहचान

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में उमड़ा आस्था का सैलाब, ग्राम जौग के ऐतिहासिक शिव मंदिर में हुआ भव्य आयोजन

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जौग स्थित ऐतिहासिक एवं प्राचीन स्वयंभू शिव मंदिर परिसर में आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत भव्य आयोजन संपन्न हुआ। गुजरात में स्थापित भगवान श्री सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर जनपद पंचायत बेमेतरा द्वारा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन शामिल हुए। कार्यक्रम की विशेष आकर्षण गुजरात में आयोजित मुख्य समारोह का वर्चुअल प्रसारण रहा, जिसे ग्राम जौग सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक देखा। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय सोमनाथ के जयघोष से गूंज उठा तथा श्रद्धालुओं ने इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके आगमन पर ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों ने स्वागत किया। विधायक दीपेश साहू ने मंदिर परिसर में विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं विकास की कामना की। साथ ही

भगवान सोमनाथ के सहस्त्राब्दी वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश एवं जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि भारत की आत्मा उसकी संस्कृति, परंपराओं और आस्था में बसती है। ग्राम जौग का यह प्राचीन शिव मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक पहचान का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धार्मिक चेतना, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में आयोजित यह ऐतिहासिक समारोह पूरे देश को एक सूत्र में पिरोने वाला आध्यात्मिक आयोजन है।

वर्चुअल माध्यम से जौग की जनता का इस कार्यक्रम से जुड़ना यह दर्शाता है कि भारत की सांस्कृतिक चेतना आज देश के कोने-कोने में एक समान रूप से प्रवाहित हो रही है। विधायक दीपेश साहू ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर मजबूती से अग्रसर हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की प्राचीन धरोहरों और आध्यात्मिक स्थलों को वैश्विक पहचान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का निर्माण, उज्जैन में महाकाल लोक का विकास तथा अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की प्रेरणादायी मिसाल हैं। इन परियोजनाओं ने धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा दी है। कहा कि भारत विश्व मंच पर सांस्कृतिक रूप से समृद्ध, आत्मनिर्भर और मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय आयोजन एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक सशक्त करते हैं तथा देशवासियों को अपनी गौरवशाली विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर, मंडल अध्यक्ष गजानंद साहू, सरपंच अश्वनी साहू, देवनारायण साहू, पूर्व ग्रामीण मंडल अध्यक्ष छोटूराम साहू, सोसायटी अध्यक्ष भागी साहू, वेदप्रकाश वैष्णव, संदीप खरे, डेरहा देवांगन, कार्यक्रम अधिकारी नरेगा रवि कराडे, एसबीएम ब्लॉक कोऑर्डिनेटर घनश्याम सिन्हा, तकनीकी सहायक मनींद्र जय साहू, विकास विस्तार अधिकारी भारत बंजारे सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक उत्साह, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक जागरूकता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। अंत में विधायक दीपेश साहू ने आयोजन से जुड़े सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

जेठ ने बहू से किया रेप,तो छोटे भाई ने किया सुसाइड, पीड़िता सदमे में

रायपुर। वैवाहिक वेबसाइट के जरिए हुई शादी एक युवती के लिए दर्दनाक साबित हुई। राजस्थान स्थित ससुराल पहुंचने के बाद विवाहिता को जेठ की प्रताड़ना और दुष्कर्म का शिकार होना पड़ा। बाद में घटनाक्रम इतना बढ़ा कि उसके पति ने खुदकुशी कर ली। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने आरोपित जेठ के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। महिला थाना पुलिस के अनुसार बिलासपुर की रहने वाली युवती का संपर्क वैवाहिक वेबसाइट के माध्यम से राजस्थान के एक युवक से हुआ था। दोनों परिवारों की सहमति के बाद एक वर्ष पूर्व उज्जैन में विवाह संपन्न हुआ। शादी के बाद ससुराल पहुंचने पर विवाहिता को पता चला कि उसके जेठ ने अपनी पत्नी को मारपीट कर घर से निकाल दिया था और उसके पति पर भी धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। पीड़िता के अनुसार ससुराल में उसका जेठ शुरुआत से ही उस पर गलत नजर रखता था। एक दिन मौका पाकर उसने विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया। जब उसने पूरी घटना अपने पति को बताई, तो पति ने परिवार और समाज की बदनामी का हवाला देकर उसे चुप रहने के लिए कहा। इसके बाद भी जेठ द्वारा प्रताड़ना और शोषण जारी रहा। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता 25 अप्रैल को ससुराल से निकल गई और मोबाइल बंद कर किसी तरह बिलासपुर पहुंची। इसके बाद 26 अप्रैल को पति ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई। मामला तब और गंभीर हो गया जब 28 अप्रैल को जेठ ने विवाहिता के मायके वालों को सूचना दी कि उसके पति ने खुदकुशी कर ली है। घटना के बाद सदमे और बीमारी की हालत में कुछ दिन रहने के बाद पीड़िता महिला थाने पहुंची और आरोपी जेठ के खिलाफलिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर शून्य पर अपराध दर्ज कर मामला संबंधित क्षेत्र में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अगले पांच दिन बदलेगा मौसम का मिजाज तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोगों को फिलहाल भीषण गर्मी से कुछ राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले 5 दिनों तक मौसम का मिजाज बदला रहेगा। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि कुछ स्थानों पर वज्रपात की स्थिति भी बन सकती है। विभाग के मुताबिक 11 मई के बाद मौसम गतिविधियों में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। रायपुर से बिलासपुर तक मौसम पूरी तरह से बदला हुआ है। दोनों संभागों के कई जिलों में मौसम विभाग के मुताबिक शाम तक बारिश और आंधी तूफान की स्थिति बनेगी। बीते दिन कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई है। कई जिलों में दोपहर के बाद बादलों ने डेरा जमा लिया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के रायगढ़ और महासमुंद जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार दोनों जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती है। अचानक मौसम बदलने से लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में प्रदेश का सबसे अधिक तापमान 41 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में दर्ज किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में रिकॉर्ड किया गया। रायपुर के लालपुर केंद्र में अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री और माना एयरपोर्ट में 39 डिग्री दर्ज हुआ। बिलासपुर, दुर्ग और जगदलपुर समेत कई शहरों में तापमान सामान्य से नीचे रिकॉर्ड किया गया है। विभाग का कहना है कि बादलों और नमी के प्रभाव के कारण तापमान में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी फिलहाल नहीं होगी।

पीसीसी अध्यक्ष को लेकर सियासत, टीएस के बाद अमरजीत आगे आए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। इसी बीच उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि यदि वर्तमान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज हटे और उन्हें मौका मिला, तो वो भी पीसीसी चीफ बनना चाहते हैं। पीसीसी चीफ की लिस्ट में एक नाम उनका भी रहेगा, उनके इस बयान पर राजनीति भी तेज हो गई है। टीएस बाबा को पीसीसी चीफ बनाने के सवाल पर पूर्व केबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि टीएस बाबा हमारे राजा हैं, महाराजा हैं, राज परिवार ने सरगुजा में कांग्रेस को लम्बे समय तक साथ दिया है। अतिश्योक्ति नहीं है कि आदिवासी, सामान्य वर्ग या पिछड़ा वर्ग का नेता हो, पार्टी जिस पर मेहरबान वह पहलवान है। उन्होंने आगे कहा कि सरगुजा और बस्तर आदिवासी सेंटर है, सरगुजा के आदिवासियो को भी साधने की व्यवस्था होना चाहिए। क्योंकि बीजेपी ने सरगुजा संभाग से आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया है। कांग्रेस के फोकस में सरगुजा संभाग होना चाहिए, वरना गैप आएगा। सभी को साथ लेकर चले वैसा अध्यक्ष बनाना चाहिए। वहीं अमरजीत भगत से जब पूछा गया कि क्या आप अध्यक्ष बनेंगे तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि अध्यक्ष बनने के लिए मैं कभी सोचा ही नहीं हूं। मैं आम कार्यकर्ता हूं. मेरे राजनीतिक गुरू अजीत जोगी रहे, उन्होंने भी नई पार्टी बनाई तो मैं नहीं गया। पार्टी के खिलाफ कोई भी बात करेगा, तो हमारी असहमति है।

रात में चाकू लेकर मचा रहे थे आतंक, ब्लैक पैंथर टीम ने दबोचकर पहुंचाया जेल

रायपुर। सड़कों पर रात के अंधेरे में धारदार चाकू लेकर लोगों में दहशत फैलाने वाले दो बदमाशों का आतंक उस वक्त खत्म हुआ जब बसंतपुर पुलिस की ब्लैक पैंथर टीम ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा और सीधे जेल पहुंचा दिया। जिले में अपराध नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कीर्तन राठौर और नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के मार्गदर्शन में लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रात्रिकालीन ब्लैक पैंथर टीम को सूचना मिली कि कुछ युवक आम जगह पर धारदार हथियार लेकर लोगों को डरा-धमका रहे हैं और इलाके में भय का माहौल बना रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना बसंतपुर पुलिस और ब्लैक पैंथर टीम एक्टिव हुई और अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में उड़ीसा के संबलपुर जिले के सोनापाल निवासी 35 वर्षीय मो. मोक्सेद अली पिता मो. अलमस अली और कर्नाटक के भागलकोट जिले के जामखण्डी सिलोरकर बस्ती निवासी 28 वर्षीय मो. सुमन खान पिता मो. सलाम खान शामिल हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से लोहे के धारदार चाकू बरामद कर जब्त किए। जांच में सामने आया कि आरोपी सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लहराकर लोगों को भयभीत और आतंकित कर रहे थे।

सोमनाथ से भोरमदेव तक गूंजा सांस्कृतिक स्वाभिमान का स्वर

सोमनाथ हमारी संस्कृति और आत्मसम्मान का मानबिंदु है-विजय शर्मा

- इतिहास को स्मृतियों में रखते हुए भविष्य को संवारने के संकल्प से बनता है सशक्त राष्ट्र
- भोरमदेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा आज भोरमदेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े और मंदिर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा - अर्चना के साक्षी बने और उनका संबोधन सुना। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनर्निर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें देशवासियों से साझा की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कबीरधाम के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता के गौरवपूर्ण स्मरण का अवसर है। उन्होंने कहा कि इतिहास के कई महत्वपूर्ण प्रसंग समय के साथ लोगों की स्मृतियों से ओझल हो जाते हैं, जबकि इन्हीं घटनाओं ने देश की सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं ने भारत पर आक्रमण कर सोमनाथ मंदिर के वैभव को ध्वस्त किया और इसकी संपदा को लूटने का प्रयास किया। यह क्रम कई

बार चला, लेकिन आज उन आक्रांताओं का नामोनिशान नहीं है, जबकि सोमनाथ मंदिर वैभवशाली स्वरूप में देश के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ हमारी संस्कृति और आत्मसम्मान का मानबिंदु है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्धन का कार्य हो रहा है। सोमनाथ का पुनर्स्थापित स्वरूप भारत की सांस्कृतिक चेतना और पुनर्जागरण का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि यह हमें सिखाता है कि भविष्य की ओर बढ़ते हुए इतिहास को स्मृतियों में बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन देशभर के शिवालयों में किया जा रहा है। भारत जब अपने अतीत की चर्चा करता है तो वह केवल इतिहास नहीं दोहराता, बल्कि आने वाले भविष्य को संवारने का संकल्प भी लेता है। उन्होंने कहा कि इतिहास से सीखकर ही मजबूत भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में निर्मित श्रीराम मंदिर केवल पूजा का स्थल नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री ने इस दौरान भोरमदेव मंदिर पर्यटन कॉरिडोर विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव मंदिर कॉरिडोर परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके तहत मंदिर परिसर, म्यूजियम, मेला स्थल, गार्डन, कांवड़ियों के विश्राम स्थल, मड़वा महल, छेरकी महल और सरोदा डैम के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सोमवार को अधिकारियों, इंजीनियरों, कंसल्टेंट और ठेकेदारों के साथ परियोजना कार्यों की समीक्षा की जाती है ताकि विकास कार्य तय समय पर पूरे हो सकें। इसके साथ ही बूढ़ा महादेव परिसर के सौंदर्यीकरण पर भी काम किया जा रहा है, जहां कांवड़ियों की सुविधा के लिए एक विशाल डोम का निर्माण किया जा रहा हैं।

पीएम मोदी की अपील के बाद भाजपाई साइकिल से चले डीजल-पेट्रोल बचाये..

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों से सोना नहीं खरीदने तथा पेट्रोल, डीजल बचाने की अपील पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी स्थितियों के सामने सरेंड कर रहे है तथा अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे है। प्रधानमंत्री अपनी विफलता को देशभक्ति से जोड़कर जनता को बेवकूफबना रहे है। यदि देश में पेट्रोलियम, डीजल का संकट है तो उसके पीछे मोदी सरकार की विफल नीतियां है। मोदी सरकार ने अपनी विदेश नीति को भारत की पारंपरिक विदेश नीति को अपनाये होते रूस जैसे भारत के पारंपरिक मित्र के साथ खड़े होते, अमेरिका-ईरान युद्ध में भारत का झुकाव अनावश्यक रूप से अमरिका के साथ नहीं होता तो देश के सामने पेट्रोलियम की कमी समस्या नहीं आती। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी की अपील के बाद भाजपाई, मंत्री, विधायक, पदाधिकारी, साइकिल से चले डीजल-पेट्रोल बचाये। प्रधानमंत्री की सलाह पर अमल पहले उनके दल के लोगों को करना चाहिए, उसके बाद आम जनता से अपेक्षा करें। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सोना नहीं खरीदने का आह्वान कर यह साफ किया कि देश की विदेशी मुद्रा का भंडार न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री आर्थिक प्रबंधन मजबूत करने के बजाय देशवासियों

से सोना नहीं खरीदने की अपील करके देश के लोगों में एक भय पैदा कर दिया कि देश की आर्थिक स्थिति खराब यह देश की प्रगति के लिए भी बाधक है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री लोगों से खाद्य तेल का कम उपयोग करने तथा किसानों से उर्वरकों का उपयोग भी कम करने को अपील कर चुके है। ऐसे हालात तभी बनते है जब स्वयं स्थितियों पर नियंत्रण नहीं रख पाती है तो वह नागरिकों के सामने याचना करती है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि देश में 12 सालों से मोदी की सरकार है, इन 12 सालों में मोदी की सरकार ने क्रूड ऑयल भंडारण के लिए एक भी भंडार नहीं बनाये। देश में इस समय कुल 3 भंडारण केंद्र है, पहला विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश में इसका निर्माण 2008 से 2014 के बीच हुआ। दूसरा मंगलुरू, कर्नाटका में इसका निर्माण 2009 से 2016 के बीच हुआ। तीसरा पेडूर, कर्नाटका इसका निर्माण भी यूपीए सरकार ने कराया 2010 में। देश की कुल तेल और गैस भंडारण क्षमता 5.33 मिलियन टन है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर मधेश्वर महादेव पर्वत में हुई विशेष पूजा-अर्चना....

- मयाली से वर्चुअल माध्यम से जुड़े जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और आस्था के केंद्रों को नया गौरव प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ, महाकाल और सोमनाथ जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों का व्यापक विकास आज भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व - अटूट आस्था के 1000 वर्ष कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से किए गए संबोधन को वर्चुअल माध्यम से सुना। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ था। इसी ऐतिहासिक अवसर की स्मृति में पूरे देश में यह पर्व मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर इतिहास में अनेक बार विदेशी आक्रांताओं ने हमले किए, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था और सनातन परंपरा को कभी समाप्त नहीं किया जा सका। मंदिर की रक्षा के लिए पुजारियों और भक्तों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया, जो भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया था। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने तमाम विरोधों के बावजूद पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण समारोह में भाग लेकर इस राष्ट्रीय संकल्प को नई ऊंचाई दी। इस अवसर पर जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित मयाली नेचर कैम्प में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में प्रसिद्ध मधेश्वर महादेव पर्वत की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने बड़ी श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया तथा मयाली डेम खंडसा से वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन से जुड़े। कार्यक्रम में एसडीएम कुनकुरी श्री नंदजी पांडे, डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा, जनपद पंचायत कुनकुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रमोद सिंह, श्री भरत सिंह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

खुशियों की चाबी से बदली जिंदगी..... कच्चे घर से पक्के आशियाने का सफर

- आवास योजना के तहत मिला नया घर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया

रायपुर/ संवाददाता

बरसात के दिनों में टपकती छत, गर्मी में तपता घर और हर मौसम के साथ बढ़ती चिंताएंए जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सोनसरी निवासी धीरेंद्र कुमार कुर्रे के परिवार की जिंदगी कुछ ऐसी ही मुश्किलों के बीच गुजर रही थी। लेकिन अब वही परिवार अपने नए पक्के घर में सुकून और सुरक्षा के साथ जीवन बिता रहा है। सुशासन तिहार 2026 उनके

लिए सचमुच खुशियों की सौगात बनकर आया है। जनपद पंचायत अकलतरा के अंतर्गत आने वाले इस गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत धीरेंद्र कुमार कुर्रे को नया मकान मिला है। वर्षों से एक मजबूत घर का सपना देखने वाला यह परिवार अब अपने आशियाने में नई उम्मीदों के साथ भविष्य संवार रहा है। धीरेंद्र बताते हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिला नया घर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया है। घर की मजबूत दीवारों और सुरक्षित छत ने पूरे परिवार को आत्मविश्वास से भर दिया है। परिवार के चेहरे पर संतोष साफदिखाई देता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने गांवों में लोगों की जिंदगी बदलनी शुरू कर दी है। सुशासन तिहार 2026 के दौरान धीरेंद्र कुमार कुर्रे का परिवार भी उन हजारों परिवारों में शामिल हो गया है, जिनके लिए खुशियों की चाबी अब एक नई जिंदगी का प्रतीक बन चुकी है।

चलती सिटी बस में लगी भीषण आग, यात्रियों ने कूदकर बचाई जान

रायपुर। राजधानी रायपुर में शाम एक बड़ा हादसा टल गया, जब रेलवे स्टेशन से खरोरा जा रही सिटी बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते बस धू-धू कर जलने लगी। बस में सवार यात्रियों ने किसी तरह कूदकर और गेट से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, सिटी बस रोजाना की तरह शाम की रिटर्न ट्रिप में रेलवे स्टेशन से खरोरा लौट रही थी। इसी दौरान सद्दू साइंस सिटी सेंटर टर्निंग के पास ड्राइविंग साइड में डीजल टैंक के करीब अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरी बस उसकी चपेट में आ गई। घटना के समय बस में भारी संख्या में यात्री सवार थे। अचानक आग लगते ही बस में अफरा-तफरी मच गई।

डीएमएफशासी परिषद की बैठक में वर्ष 2026-27 के प्रस्तावित कार्यों को मिली स्वीकृति

जिले के विकास का महत्वपूर्ण आधार है डीएमएफ-मंत्री लखनलाल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवांगन की मुख्य उपस्थिति में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) कोरबा की शासी परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रस्तावित कार्यों की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर कोरबा की सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत, कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल, पाली-तानाखार विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर विधायक श्री फूल सिंह राठिया सहित शासी परिषद के सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष श्री कुणाल दुदावत ने की बैठक में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफयोजना की व्यवस्था की है, जिसके माध्यम से कोरबा जिले को बड़ी राशि प्राप्त होती है। डीएमएफ अब कोरबा जिले की प्रगति का मजबूत आधार बन चुका है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अधोसंरचना विकास जैसे कार्यों को इससे नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। डीएमएफ मद से स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण तथा पुल-पुलियों के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों का समय-सीमा में पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। मंत्री श्री देवांगन ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा है कि कोरबा जिले में डीएमएफके तहत होने वाले सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरे हों। निर्माण पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक भी डीएमएफके कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और नए प्रस्तावों को बजट प्रावधान के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने कहा कि डीएमएफमद के माध्यम से कोरबा जिले को विकास की नई पहचान प्राप्त होगी। जिले में जहां भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल तथा अन्य आवश्यक क्षेत्रों में राशि की जरूरत है, वहां इस फंड का प्रभावी उपयोग होना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत ने बताया कि वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना मुख्य सचिव की अध्यक्षता में निर्धारित किए गए केपीआई के अनुरूप तैयार की गई है। जिले में उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को विशेष महत्व दिया गया है और सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक तथा समय-सीमा में पूर्ण करने के प्रयास किए जाएंगे। कलेक्टर ने बताया कि डीएमएफसे संबंधित शिकायतों के निराकरण हेतु टोल-फ्री नंबर जारी किया गया है तथा निर्माण पोर्टल के माध्यम से सभी कार्यों की प्रगति देखी जा सकती है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के अभिसरण के साथ उच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाएगा। उन्होंने जिले शिक्षा,स्वास्थ्य, पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में खनन प्रभावित विद्यार्थियों को दिए जाने वाले लाभ,खेल,अधोसंरचना, बेसलाइन सर्वे, पंचवर्षीय परिपेक्ष्य परियोजना,सड़क सुरक्षा आदि के संबंध में विस्तार से बताया। इस दौरान वनमंडलाधिकारी श्रीमती प्रेमलता यादव, श्री कुमार निशांत, जिला पंचायत सीईओ एवं पदेन सचिव श्री दिनेश नाग, निगमायुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय, अपर कलेक्टर श्री देवेन्द्र पटेल, प्रशिक्षु आईएएस श्री तरूण किरण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी डीएमएफ के सदस्य श्रीमती किरण मरकाम, पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन भी बैठक में शामिल हुए। कलेक्टर सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास कोरबा की शासी परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

संपादकीय

कहीं सत्ता पलटी, कहीं भरोसा बरकरार, बदल रहा है जनता का राजनीतिक मूड

कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है।चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के जैसे नतीजे सामने आए हैं, उनसे साफ है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में जहां मतदाताओं ने बदलाव के पक्ष में मतदान किया, वहीं असम और पुदुचेरी में लोगों ने मौजूदा सरकार पर भरोसा कायम रखा। इसमें चौंकाने वाले नतीजे तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से आए, जहां चुनाव प्रचार के क्रम में बहुस्तरीय उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों के लिए यह अंदाजा लगा पाना मुश्किल था कि सत्ताधारी पार्टियों का प्रदर्शन बेहद कमजोर हो सकता है। इन राज्यों में इतने बड़े उलटफेर की उम्मीद कम ही लोगों ने की थी।दरअसल, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार के प्रति दिखने वाला जनसमर्थन चुनाव और मतदान के मोर्चे पर उलट नतीजे देने वाला साबित हुआ। हालांकि राज्य में भाजपा ने जीत के लिए जिस स्तर पर जाकर मेहनत की, मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में लाने के लिए एक व्यापक रणनीतिक राजनीति पर काम किया और यहां तक भावनात्मक मुद्दों का भी सहारा लिया, उसका साफ असर मतगणना और नतीजों पर दिखा। जाहिर है, लंबे समय के बाद अब पश्चिम बंगाल एक और सत्ता परिवर्तन का गवाह बन रहा है, जहां विचारधाराओं का सफर क्रमशः बदलता दिखा है।वहीं तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाले द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) को लेकर बहुत कम लोगों ने यह अंदाजा लगाया होगा कि चुनाव के परिणाम में उसकी स्थिति इस कदर खराब रहेगी। गौरतलब है कि फिल्मों की दुनिया से तमिलनाडु की राजनीति में आकर हाल के वर्षों में उभरे और अपने प्रशंसकों के बीच थलापति के नाम से मशहूर जोसेफ विजय ने अपने पहले ही चुनाव में राज्य की राजनीति में बीते कुछ सालों से एकछत्र राज करने वाले नेता एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रमुक को करारी शिकस्त दी। अब तमिलनाडु द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमने वाली राजनीति के समांतर एक नए दौर में प्रवेश कर गया है। यह देखने की बात होगी कि आने वाले वर्षों में यह राज्य किस राजनीतिक धारा का केंद्र बनेगा।जहां तक केरल का सवाल है, तो वहां आमतौर पर वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड लोकतांत्रिक मोर्चे के बीच सत्ता में फेरबदल होता रहा है। इस लिहाज से देखें तो दो कार्यकाल के बाद वामपंथी मोर्चा सत्ता से बाहर हुआ है और अच्छी उपस्थिति के साथ कांग्रेस को महत्वपूर्ण जीत मिली है।इसके अलावा, असम में एक तरह से अपेक्षित नतीजे आए हैं, जहां भाजपा ने फिर से भारी जीत हासिल की है। यह तब भी संभव हुआ, जब राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के रुख को लेकर कई तरह के विवाद चुनाव प्रचार के केंद्र में रहे। इसी तरह, केंद्रशासित प्रदेश पुदुचेरी के परिणामों के मुताबिक, वहां सत्तारूढ़ राजग गठबंधन ने एक बार फिर बहुमत हासिल कर अपनी सत्ता कायम रखी।कहा जा सकता है कि इन चुनावों में भाजपा ने जहां पश्चिम बंगाल, असम और पुदुचेरी में जीत हासिल कर अपनी उपस्थिति साबित की है, वहीं कांग्रेस भी केरल की जीत को अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकती है।

हादसे का इंतजार नहीं कर सकती सरकार, परस्पर पूरक हैं धार्मिक गतिविधियों से जुड़े हाईकोर्ट के दो हालिया फैसले

दूसरे फैसले में अदालत ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर सबका समान अधिकार है, और निजी स्थल पर भी धार्मिक स्वतंत्रता असीमित नहीं है। यदि कोई गतिविधि सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने लगे तो उसे नियंत्रित करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है। सरकार लोक व्यवस्था के छिन्न-भिन्न होने का इंतजार नहीं कर सकती। ये दोनों फैसले विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं और मिलकर उस व्यवस्था को रेखांकित करते हैं जिसके भीतर एक लोकतांत्रिक, बहुलवादी समाज में धर्म और कानून को साथ-साथ चलना होता है। इस न्यायिक दृष्टिकोण ने इस मूल सिद्धांत को रेखांकित किया है कि किसी भी नागरिक या समूह का अधिकार तभी तक सुरक्षित है, जब तक वह दूसरे नागरिकों के अधिकारों, सार्वजनिक व्यवस्था और सामूहिक हितों से टकराव नहीं पैदा करता।

(रितिका सिंह सिसोदिया)

एक माह के भीतर इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो फैसले, दो अलग-अलग समय में आए, लेकिन दोनों को मिलाकर पढ़ें तो एक स्पष्ट और संतुलित संवैधानिक दर्शन उभरकर सामने आता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उसमें अधिकार भी हैं और उन अधिकारों की सीमाएं भी स्पष्ट रूप से पारिभाषित हैं। एक माह के भीतर इलाहाबाद हाईकोर्ट के दो फैसले, दो अलग-अलग समय में आए, लेकिन दोनों को मिलाकर पढ़ें तो एक स्पष्ट और संतुलित संवैधानिक दर्शन उभरकर सामने आता है।

पहले फैसले में अदालत ने कहा था कि नमाजियों की संख्या सीमित करना गलत है, कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

दूसरे फैसले में अदालत ने कहा कि सार्वजनिक भूमि पर सबका समान अधिकार है, और निजी स्थल पर भी धार्मिक स्वतंत्रता असीमित नहीं है। यदि कोई गतिविधि सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने लगे तो उसे नियंत्रित करना राज्य का संवैधानिक दायित्व है। सरकार लोक व्यवस्था के छिन्न-भिन्न होने का इंतजार नहीं कर सकती। ये दोनों फैसले विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं और मिलकर उस व्यवस्था को रेखांकित करते हैं जिसके भीतर एक लोकतांत्रिक, बहुलवादी समाज में धर्म और कानून को साथ-साथ चलना होता है।

इस न्यायिक दृष्टिकोण ने इस मूल सिद्धांत को रेखांकित किया है कि किसी भी नागरिक या समूह का अधिकार तभी तक सुरक्षित है, जब तक वह दूसरे नागरिकों के अधिकारों, सार्वजनिक व्यवस्था और सामूहिक हितों से टकराव नहीं पैदा करता। यह केवल एक कानूनी व्याख्या नहीं, बल्कि एक गहरी सामाजिक चेतना का संकेत है, जो यह बताता है कि आधुनिक राज्य व्यवस्था व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामूहिक हितों के बीच संतुलन बनाकर ही चल सकती है।

सबसे पहले संभल के मूल विवाद को समझते हैं। यह विवाद एक ऐसी भूमि से संबंधित है जिसे याचिकाकर्ता अपनी निजी भूमि बताता है और उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर वहां नमाज अदा करने के लिए परमादेश जारी करने की मांग की थी। प्रारंभ में जिला प्रशासन ने यह निर्णय लिया था कि एक विशेष परिसर में नमाजियों की संख्या को सीमित किया जाए। आधार यह था कि भीड़ बढ़ने से कानून-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हो सकती है। यह प्रशासनिक दृष्टिकोण एहतियात और व्यवस्था बनाए रखने की भावना से प्रेरित था, लेकिन इस आदेश को चुनौती देते हुए मामला न्यायालय तक पहुंचा।

न्यायपालिका ने अपने पहले निर्णय में कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना राज्य का मूल दायित्व है। न्यायालय के उस आदेश का भावार्थ यह था कि यदि प्रशासन यह मान ले कि किसी धार्मिक गतिविधि के कारण स्वाभाविक रूप से व्यवस्था बिगड़ सकती है, और उसी आधार पर प्रतिबंधात्मक कदम उठाए जाएं, तो यह दृष्टिकोण संविधान की भावना के विपरीत होगा।

लेकिन इस पूरे विवाद का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जिसे बाद में न्यायालय ने एक अन्य निर्णय में अधिक स्पष्टता के साथ सामने रखा गया। इस दूसरे दृष्टिकोण ने सार्वजनिक भूमि, निजी संपत्ति और धार्मिक गतिविधियों के बीच संतुलन की संवैधानिक सीमा को विस्तार से समझाया। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकार की रक्षा तभी तक की जा सकती है, जब तक वह सार्वजनिक हित और अन्य नागरिकों के अधिकारों को प्रभावित नहीं करता।इस संदर्भ में न्यायालय ने निजी और सार्वजनिक गतिविधियों के बीच अंतर को अत्यंत स्पष्ट शब्दों में रखा है कि निजी प्रार्थना, पारिवारिक पूजा, और ऐसी सीमित भक्ति गतिविधि जो वास्तव में परिसर के लिए आंतरिक रहती है, सामान्यतः अनुच्छेद 25 और 26 के संरक्षित क्षेत्र में आती है। यह पंक्ति इस बात की पुष्टि करती है कि संविधान व्यक्ति की आस्था और निजी जीवन की स्वतंत्रता को पूर्ण संरक्षण देता है, लेकिन इस संरक्षण की एक सीमा भी है। यह केवल तब तक लागू है जब तक गतिविधि वास्तव में निजी और सीमित बनी रहती है।

संभल विवाद के संदर्भ में यही प्रश्न केंद्रीय था कि क्या किसी निजी या सीमित स्थान पर होने वाली गतिविधि धीरे-धीरे सार्वजनिक स्वरूप ग्रहण कर रही थी?

न्यायालय ने इस पहलू को अत्यंत व्यावहारिक दृष्टि से देखा और कहा कि जैसे ही कोई गतिविधि 'सामूहिक चरित्र' ग्रहण करती है, वह केवल आंतरिक आस्था का विषय नहीं रह जाती।

अदालत के शब्दों में, 'एक बार जब गतिविधि ऐसा सामूहिक चरित्र ग्रहण कर लेती है, तो यह केवल आंतरिक आस्था का मामला नहीं रह जाता।' इस परिवर्तन के साथ ही उसके प्रभाव भी व्यापक हो जाते हैं। प्रवेश और निकास से लेकर यातायात और पार्किंग संबंधी चिंताएं पैदा हो सकती है, इलाके का चरित्र बदल सकता है, शोर उत्पन्न हो सकता है, पुलिस व्यवस्था की आवश्यकता हो सकती है और संवेदनशील क्षेत्रों में, अंतर-समुदाय तनाव की आशंका पैदा कर सकती है।

ऐसी स्थिति में गतिविधि 'एक सार्वजनिक या अर्ध-सार्वजनिक आयाम ग्रहण कर लेती है।' यहां यह भी देखना होगा कि प्रकरण ऐसे जिले का है जो कुछ समय पहले सांप्रदायिक विमर्श के केंद्र में था, जहां धार्मिक तनाव की आग भड़क चुकी है और सड़कों पर खून बह चुका है। कोर्ट की अवधारणा स्पष्ट है कि अधिकार केवल घोषित नहीं होते, उनका प्रभाव भी उनकी प्रकृति निर्धारित करता है। यदि प्रभाव सार्वजनिक हो जाता है, तो वह भी सार्वजनिक नियमन के दायरे में आ जाता है।

संभल मामले के पहले निर्णय और इसके बाद के विस्तृत निर्णय को साथ रखकर देखने पर एक स्पष्ट तस्वीर उभरती है। पहले निर्णय में प्रशासनिक हस्तक्षेप पर प्रश्न उठाया गया, जबकि दूसरे निर्णय में यह स्पष्ट किया गया कि अनियंत्रित विस्तार भी संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। यह दोनों दृष्टिकोण मिलकर यह स्थापित करते हैं कि न तो अति-प्रतिबंध उचित है और न ही असीमित विस्तार। निर्णय में कहा गया कि 'ऐसा नहीं है कि निजी संपत्ति सभी संरक्षण खो देती है, लेकिन सार्वजनिक व्यवस्था के प्रभावित होने की स्थिति में ऐसी संपत्ति का उपयोग विशुद्ध रूप से निजी नहीं रह जाता और उचित विनियमन के अधीन हो जाता है।'

यह कथन शासन और प्रशासन के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शक सिद्धांत प्रस्तुत करता है कि अधिकारों का उपयोग सामाजिक प्रभाव से अलग नहीं देखा जा सकता। इस पूरे परिप्रेक्ष्य में शासन-प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। प्रशासन का दायित्व केवल कानून लागू करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि किसी भी गतिविधि से समाज में असंतुलन न पैदा हो। यही कारण है कि न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कोई गतिविधि कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने की संभावना रखती है, तो राज्य को हस्तक्षेप का पूरा अधिकार है।

संभल का यह विवाद अंततः हमें एक व्यापक सिद्धांत की ओर ले जाता है कि लोकतंत्र केवल अधिकारों का संग्रह नहीं है, बल्कि संतुलित जिम्मेदारियों का ढांचा है। यह ढांचा तभी मजबूत रहता है जब प्रत्येक अधिकार अपने दायरे में सीमित रहे और किसी दूसरे के अधिकार को प्रभावित न करे। यही संतुलन संभल विवाद को केवल एक स्थानीय मुद्दे से ऊपर उठाकर एक व्यापक संवैधानिक और सामाजिक विमर्श में बदल देता है और यही इस पूरे प्रसंग का सबसे स्थायी संदेश है कि विधि का शासन तभी जीवित रहता है जब अधिकार, कर्तव्य और प्रशासनिक विवेक एक साथ संतुलित रूप में कार्य करें।

श्यामा बाबू के संकल्प की जीत, विवेकानंद के विचारों की प्रीति- बंगाल में राष्ट्रवाद का नया सूर्योदय

(भारत भूषण अरजरिया)

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे।

बंगाल केवल एक भौगोलिक भूभाग नहीं है, बल्कि यह वह विचार है जिसने आधुनिक भारत की आधारशिला रखी। आज का दिन इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होने वाला है, क्योंकि यह मात्र एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस माटी की अपनी जड़ों की ओर वापसी है, जिसने कभी %वंदे मातरम्% के उद्घोष से पूरे आर्यावर्त को जगाया था। यह जीत उस संकल्प की सिद्धि है जो दशकों से बंगाल की गलियों में मौन था, किंतु मरा नहीं था। आज जब बंगाल में राष्ट्रवाद का भगवा ध्वज लहरा रहा है, तो ऐसा प्रतीत होता है कि गंगासागर की लहरें डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के उन बलिदानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रही हैं, जिन्होंने एक विधान, एक प्रधान और एक निशान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। यह उस विचारधारा की विजय है जो मानती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ही भारत की नियति है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जो भारतीय जनसंघ के प्रणेता थे, उनके विचारों की प्रासंगिकता आज बंगाल की इस ऐतिहासिक जीत में साफ झलकती है। उन्होंने उस समय बंगाल के विभाजन के संकट को समझा था और यह सुनिश्चित किया था कि बंगाल का एक हिस्सा भारतीय संस्कृति और अस्मिता के साथ सुरक्षित रहे। आज उनकी आत्मा निश्चित रूप से तृप्त हो रही होगी, क्योंकि जिस बंगाल को वैचारिक शून्यता और तुष्टीकरण की राजनीति ने जकड़ लिया था, उसने अब अपने सबसे प्रतापी पुत्र के सपनों को साकार करने का मार्ग चुन लिया है। यह जीत बताती है कि समय कितना भी क्यों न बदल जाए, सत्य और राष्ट्रवाद की धारा कभी सूखती नहीं है; वह बस सही समय की प्रतीक्षा करती है। बंगाल ने आज यह सिद्ध कर दिया है कि वह अपनी गौरवशाली विरासत को पुनः प्राप्त करने के लिए तत्पर है। इस परिवर्तन की गहराई को समझने के लिए हमें स्वामी विवेकानंद के उन संदेशों को स्मरण करना होगा, जिन्होंने विश्व पटल पर भारत की आध्यात्मिक श्रेष्ठता को स्थापित किया था। संघ और उससे प्रेरित सभी समवैचारिक संगठनों के लिए विवेकानंद केवल एक पथ-प्रदर्शक नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद के जीवंत प्रतीक हैं। उन्होंने कहा था कि 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' बंगाल की जनता ने आज उसी मंत्र को आत्मसात किया है। दशकों की राजनीतिक हिंसा, वैचारिक दमन और सांस्कृतिक विस्मृति के बाद, बंगाल की चेतना जागृत हुई है। यह उस 'सिंह-गर्जना' की गूंज है जिसने कभी शिकागो के मंच से दुनिया को हिला दिया था। आज विवेकानंद की उस कर्मठता और आध्यात्मिक राष्ट्रवाद की विजय हुई है, जो समावेशी भी है और अजेय भी।

गंगोत्री से गंगासागर तक शुरू हुई यह संकल्प यात्रा अब अपनी पूर्णता की ओर अग्रसर है। जिस प्रकार गंगा नदी हिमालय की दुर्गम चोटियों को चीरते हुए मैदानों को सींचती है और अंततः बंगाल की खाड़ी में जाकर सागर से एकाकार हो जाती है, उसी प्रकार राष्ट्रवाद की यह लहर उत्तर से दक्षिण और पश्चिम से पूर्व की ओर बहते हुए आज बंगाल के हृदय में समा गई है। यह यात्रा केवल सत्ता के परिवर्तन की नहीं, बल्कि व्यवस्था के परिवर्तन और विचारों के शुद्धिकरण की यात्रा है। 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने जिस भारत माता की कल्पना की थी, वह सुजलाम-सुफलाम होने के साथ-साथ शक्तिस्वरूपा भी थी। आज बंगाल ने उसी शक्ति की आराधना की है और दिखा दिया है कि माँ भारती के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। बंगाल के इस ऐतिहासिक जनादेश के पीछे उन अनगिनत कार्यकर्ताओं का लहू और पसीना है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी राष्ट्रवाद का दीप जलाए रखा। यह उन बलिदानियों को नमन करने का दिन है जिन्होंने अपनी आँखों में 'सोनार बांग्ला' का सपना संजोया था–एक ऐसा बंगाल जो सांप्रदायिकता से मुक्त हो, जहाँ विकास की धारा अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे और जहाँ दुर्गा पूजा का शंखनाद बिना किसी भय के सुनाई दे। आज की यह जीत बंगाल की उस महान परंपरा का सम्मान है जिसमें चैतन्य महाप्रभु की भक्ति, सुभाष चंद्र बोस का शौर्य और रवींद्रनाथ टैगोर की लेखनी का प्रभाव समाहित है। यह जीत घोषणा करती है कि बंगाल अब केवल पीछे मुड़कर नहीं देखेगा, बल्कि नए भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह ऐतिहासिक दिन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि विचारधारा की जड़ें यदि सत्य में हों, तो उसे कोई भी दमनकारी शक्ति मिटा नहीं सकती।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की चली सुनामी के सियासी मायने दूरगामी महत्व वाले

केंद्र में विगत बारह वर्षों से सत्तारूढ़ 'भारतीय जनता पार्टी' ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में निर्णायक जीत दर्ज करके जनसंघ के संस्थापक और बंगाल मूल के दूरदर्शी हिंदूवादी राजनेता पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अद्भुत श्रद्धांजलि दी है। सच कहूं तो आरएसएस के इस सुप्रसिद्ध सिपाही का कश्मीर में दिया हुआ सियासी बलिदान व्यर्थ नहीं गया। खासकर यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर भाजपा द्वारा उसे दिया हुआ बहुमूल्य वैचारिक तोहफा है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में 'पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तन' का प्रतीक मानी जाएगी।

(कमलेश पांडे)

पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में 'पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तन' का प्रतीक मानी जाएगी। इससे विपक्ष का शक्ति-संतुलन बदलेगा, भाजपा का राष्ट्रीय आत्मविश्वास बढ़ेगा और बंगाल की दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है।

केंद्र में विगत बारह वर्षों से सत्तारूढ़ 'भारतीय जनता पार्टी' ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में निर्णायक जीत दर्ज करके जनसंघ के संस्थापक और बंगाल मूल के दूरदर्शी हिंदुवादी राजनेता पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को अद्भुत श्रद्धांजलि दी है। सच कहूं तो आरएसएस के इस सुप्रसिद्ध सिपाही का कश्मीर में दिया हुआ सियासी बलिदान व्यर्थ नहीं गया। खासकर यह उपलब्धि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर भाजपा द्वारा उसे दिया हुआ बहुमूल्य वैचारिक तोहफा है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में 'पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तन' का प्रतीक मानी जाएगी। इससे विपक्ष का शक्ति-संतुलन बदलेगा, भाजपा का राष्ट्रीय आत्मविश्वास बढ़ेगा और बंगाल की दशकों पुरानी राजनीतिक संस्कृति में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिल सकता है। कम शब्दों में कहा जाए तो भय हारा और भरोसा जीता है। भद्रलोक के हृदय परिवर्तन से सोनार बंगला के बहुमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है। गंगोत्री से गंगा सागर तक कमल खिलने से हिंदुओं का मनोबल बढ़ेगा और बंगलादेशी घुसपैठियों से देश को मुक्ति मिलेगी।

इस शुभ घड़ी को दिखलाने के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, गृह मंत्री अमित शाह की रणनीति, भाजपा के राष्ट्रीय अध्ययन नितिन नवीन की सूझबूझ और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सियासी तेवरों का भी अहम योगदान है। वहीं, हिंदुत्व के फायर ब्रांड नेताओं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा के योगदान को भी भुलाया नहीं जा सकता। वहीं, पश्चिम बंगाल के राजनेता सुवेन्दु अधिकारी, दिलीप बोस जैसे कर्मठ नेताओं और भाजपा के 'बलिदानी' कार्यकर्ताओं के अथक संघर्ष का प्रतिफल है।

देखा जाए तो यह भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं और उनका हौसलाअफजाई करते रहने वाले स्थानीय और बाहरी नेताओं के संयुक्त प्रयासों का सकारात्मक नतीजा है, जिसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं। बंगलादेश की हिन्दू विरोधी मानसिकता और ग्रेटर बंगलादेश की थ्योरी ने पूर्वी भारत के हिंदुओं को इस कदर भयभीत कर दिया है कि अब उनके पास भाजपा के नेतृत्व में गोलबंद होने के अलावा कोई चारा नहीं बचा था। लिहाजा, पहले कलिंग यानी उड़ीसा, फिर अंग यानी बिहार और अब बंग यानी पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत और भगवा की बुलंदी बहुत कुछ राजनीतिक चुगली करती है, जिसे समझने, और जनमानस को समझाने की जरूरत है। दिल्ली एनसीआर में बसे पूर्वी भारत के कर्तव्यनिष्ठ आरएसएस/भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं की मानें तो यह उनके सामूहिक प्रयासों की विजय हैजो अनवरत रूप से जारी अथक जनसंघर्षों और कार्यकर्ताओं के बलिदानों की वजह से मिली है। लिहाजा इसके राजनीतिक निहितार्थ केवल बंगाल तक ही सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति, संघीय ढांचे और विपक्ष की रणनीति पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा। वहीं, निकट भविष्य में पूर्वी एवं पश्चिमी एशिया तक में इसकी अनुगूंज सुनाई पड़ेगी।

लिहाजा, इस अभूतपूर्व विजय के प्रमुख राजनीतिक निहितार्थ/मायने इस प्रकार होंगे: 1. पूर्वी भारत में भाजपा का निर्णायक विस्तार

पश्चिम बंगाल लंबे समय तक वामपंथ और बाद में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का गढ़ रहा है। यहां भाजपा की जीत यह संकेत देगी कि पार्टी अब हिंदी पट्टी से आगे निकलकर पूर्वी भारत में स्थायी राजनीतिक शक्ति बन चुकी है। इससे ओडिशा, असम और पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ और मजबूत होगी। अन्य राज्यों में विस्तार भी होगा।

2. **ममता बनर्जी की राष्ट्रीय भूमिका कमजोर पड़ना:** ममता बनर्जी विपक्षी राजनीति की सबसे आक्रामक नेताओं में मानी जाती रही हैं। बंगाल में हार होने पर उनकी 'राष्ट्रीय विकल्प' वाली छवि को गहरा झटका लगेगा। इंडिया गठबंधन की राजनीति में उनका प्रभाव कम हो सकता है और विपक्ष का नेतृत्व पुनः बिखर सकता है। जबकि राहुल गांधी को मजबूती मिलेगी, क्योंकि उनकी टांग खींचने वाले सारे क्षेत्रीय नेता उनकी सटीक रणनीति से सियासी धूल फांकने को अभिशप्त हुए। इससे भविष्य में कांग्रेस लाभान्वित होगी।

3. **कांग्रेस और वामपंथ का लगभग राजनीतिक अंत:** पश्चिम बंगाल में पहले ही चुनाव भाजपा बनाम तृणमूल तक सिमटता दिख रहा है। भाजपा की जीत होने पर यह संदेश जाएगा कि कांग्रेस और वामदलों की पारंपरिक राजनीति बंगाल में अप्रासंगिक हो चुकी है।

4. **'हिंदुत्व और कल्याणकारी राजनीति' मॉडल की सफलता:** भाजपा ने बंगाल में राष्ट्रवाद, सीमा सुरक्षा, घुसपैठ, नागरिकता और हिंदू पहचान के मुद्दों को कल्याणकारी योजनाओं के साथ जोड़कर चुनावी रणनीति बनाई है। यदि यह सफल होती है, तो पार्टी इस मॉडल को अन्य राज्यों में भी और आक्रामक रूप से लागू करेगी।

5. **बंगाल की राजनीतिक संस्कृति में बड़ा बदलाव:** बंगाल लंबे समय तक वैचारिक राजनीति, वामपंथी विमर्श और क्षेत्रीय अस्मिता की राजनीति के लिए जाना जाता रहा है। भाजपा की जीत यह संकेत देगी कि बंगाल की राजनीति अब वैचारिक संघर्ष से निकलकर राष्ट्रीय ध्रुवीकरण और पहचान-आधारित राजनीति की ओर बढ़ रही है।

6. **2029 लोकसभा चुनाव की दिशा तय होगी:** भाजपा द्वारा बंगाल जीत से 2029 लोकसभा चुनाव के लिए मनोवैज्ञानिक बढ़त होगी। बंगाल की 42 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय सत्ता संतुलन में बेहद महत्वपूर्ण हैं। भाजपा यह संदेश दे सकेगी कि उसका विस्तार अब दक्षिण और पूर्व भारत तक स्थायी रूप से हो चुका है।

7. **संघ और भाजपा संगठन की रणनीति को वैधता:** पश्चिम बंगाल में भाजपा का संगठन वर्षों तक कमजोर माना जाता था। यदि पार्टी सत्ता तक पहुंचती है, तो यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के दीर्घकालिक कैडर विस्तार मॉडल की बड़ी सफलता मानी जाएगी। सोशल और वैचारिक स्तर पर संघ की पैठ को भी मजबूती मिलेगी।

8. **केंद्र-राज्य संबंधों में नया समीकरण:** अब तक बंगाल और केंद्र सरकार के संबंध अक्सर टकरावपूर्ण रहे हैं। भाजपा सरकार बनने पर केंद्र और राज्य के बीच समन्वय बढ़ेगा, जिससे निवेश, बुनियादी ढांचे और केंद्रीय परियोजनाओं को गति मिल सकती है। हालांकि विपक्ष इसे 'संघीय ढांचे के केंद्रीकरण' के रूप में भी प्रस्तुत कर सकता है।

9. **पहचान और सुरक्षा राजनीति को बल:** सीमा पार घुसपैठ, एनआरसी-सीएए, बांग्लादेश सीमा और जनसांख्यिकीय बदलाव जैसे मुद्दे बंगाल की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। भाजपा की जीत इन मुद्दों को राष्ट्रीय बहस में और प्रमुख बना सकती है। निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत केवल सरकार बदलने की घटना नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय राजनीति में 'पूर्वी भारत के वैचारिक परिवर्तन' का प्रतीक मानी जाएगी। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दंतेवाड़ा को मिली बड़ी सौगात: इसी सत्र से शुरू होगा मेडिकल कॉलेज, 50 छात्रों को मिलेगा एमबीबीएस में प्रवेश

एकलव्य विद्यालय बनेगा अस्थायी कैंपस, मेडिकल काउंसिल की मंजूरी मिलते ही होगी शुरुआत

डॉ. टीकू सिन्हा की देखरेख में अंतिम चरण में तैयारियां, जिला अस्पताल भी होगा अपग्रेड

दंतेवाड़ा :- दक्षिण बस्तर के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि जल्द ही साकार होने जा रही है। दंतेवाड़ा में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) की शुरुआत इसी शैक्षणिक सत्र से होने की पूरी संभावना है। प्रथम चरण में एमबीबीएस की 50 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। नेशनल मेडिकल काउंसिल की टीम के निरीक्षण और अनुमोदन के बाद कॉलेज औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा।

एकलव्य विद्यालय में बनेगा अस्थायी मेडिकल कॉलेज-स्थायी भवन निर्माण पूर्ण होने तक टेकनार मार्ग स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय को अस्थायी मेडिकल कॉलेज परिसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, छात्रावास और अन्य आवश्यक सुविधाएं मेडिकल कॉलेज के मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही हैं। प्रथम अधिष्ठाता (डीन) डॉ. टीकू सिन्हा के मार्गदर्शन में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं। जिला प्रशासन ने इसके लिए आवश्यक राशि उपलब्ध कराई है।

चितालंका में बन रहा स्थायी परिसर- मेडिकल कॉलेज का स्थायी भवन चितालंका में प्रस्तावित है, जहां निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिला खनिज न्यास से लगभग 300 करोड़ रुपये की प्रारंभिक स्वीकृति मिल चुकी है। फिलहाल बाउंड्रीवाल निर्माण का कार्य जारी है। स्थायी भवन बनने में समय लगने के कारण राज्य सरकार ने अस्थायी परिसर से कॉलेज शुरू करने का निर्णय लिया है।

50 सीटों पर होगा प्रवेश-पहले शैक्षणिक सत्र में एमबीबीएस की कुल 50 सीटें स्वीकृत की गई हैं। इससे बस्तर अंचल के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था भी की जा रही है।

राज्य स्तर पर होगी फैकल्टी भर्ती- प्राध्यापकों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, तकनीकी कर्मचारियों और लिपिकीय स्टाफ की नियुक्ति राज्य स्तर पर की जाएगी। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं और चयन प्रक्रिया जारी है।

जिला अस्पताल बनेगा शिक्षण अस्पताल-मेडिकल कॉलेज शुरू होने के साथ ही जिला अस्पताल को शिक्षण अस्पताल के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे दंतेवाड़ा के साथ-साथ बीजापुर और सुकमा जिलों के मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी।

डॉ. टीकू सिन्हा ने कहा-प्रथम डीन डॉ. टीकू सिन्हा ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तेजी से की जा रही हैं। नेशनल मेडिकल काउंसिल से हरी झंडी मिलते ही मेडिकल कॉलेज की औपचारिक शुरुआत कर दी जाएगी।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय- दंतेवाड़ा में मेडिकल कॉलेज की स्थापना न केवल क्षेत्र के युवाओं के लिए चिकित्सा शिक्षा का द्वार खोलेगी, बल्कि पूरे दक्षिण बस्तर की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगी। यह परियोजना आदिवासी अंचल के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगी।

नक्सलियों के 'खजाने' पर पुलिस की स्ट्राइक

अबूझमाड़ के जंगल से 1 करोड़ कैश और हथियारों का जखीरा बरामद

बस्तर/नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की कमर तोड़ते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। अबूझमाड़ के घने जंगलों में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने नक्सलियों द्वारा जमीन के नीचे छिपाकर रखा गया 1 करोड़ रुपये नगद, भारी मात्रा में विस्फोटक और हथियार बरामद किए हैं।

ज्वाइंट ऑपरेशन में मिली सफलता- नारायणपुर एसपी रोबिनसन गुड़िया ने बताया कि 'माड़ बचाओ अभियान' के तहत जिला पुलिस, डीआरजी (DRG), एसटीएफ (STF), आईटीबीपी (ITBP) और बीएसएफ (BSF) की संयुक्त टीम पिछले एक महीने से इलाके में सर्चिंग और एरिया डोमिनेशन कर रही थी। इसी दौरान मंगलवार को महाराष्ट्र बॉर्डर से लगे जंगलों में नक्सलियों के डंप का पता चला।

कैश के साथ मिला विस्फोटक का भंडार- सुरक्षाबलों को 1 करोड़ कैश के अलावा डंप से IED बनाने का सामान, गोला-बारूद और भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री,नक्सली पोस्टर और शीर्ष नेताओं से संबंधित दस्तावेज,दैनिक उपयोग का सामान और हथियार मिला है।

लेवी वसूली का पैसा होने का शक- पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इतनी बड़ी रकम नक्सलियों के पास कहां से आई। प्राथमिक तौर पर इसे लेवी वसूली का पैसा माना जा रहा है। गौरतलब है कि इससे पहले बीजापुर में भी 14 करोड़ का माल और जगदलपुर में सरेंडर करने वाले नक्सलियों ने करोड़ों का कैश और सोना पुलिस को सौंपा था।

अबूझमाड़ में बढ़ता दबाव- नारायणपुर पुलिस के अनुसार, जंगलों में लगातार बढ़ते दबाव के कारण नक्सली अपना रसद और पैसा जमीन में गाड़कर भागने को मजबूर हैं। पुलिस अब बरामद पोस्टरों और दस्तावेजों के आधार पर नक्सलियों के नेटवर्क को खंगालने में जुटी है।

दुर्गुकोंदल और चारामा में रेत माफिया बेखौफ सरकारी आदेशों की उड़ रही धज्जियां

भानुप्रतापपुर। प्रदेश की भाजपा सरकार ने अवैध रेत उत्खनन पर नकेल कसने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं, जिसमें स्पष्ट कहा गया है कि यदि अवैध उत्खनन पाया गया तो सीधे तौर पर जिले के कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से कोसों दूर है। जिले के दुर्गुकोंदल और चारामा ब्लॉक में इन दिनों रेत का अवैध कारोबार अपने चरम पर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, दुर्गुकोंदल क्षेत्र की नदियों में रेत का उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। नियमतः ग्राम पंचायतों द्वारा रेत खदान स्वीकृत कराए जाते हैं, लेकिन प्रबंधन की आड़ में इन खदानों को बिचौलियों और रसूखदारों को सौंप दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि ग्राम पंचायत खदान चलाने में असमर्थ है, तो उसे निरस्त करने के बजाय अवैध उत्खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री और शासन के सख्त रुख के बाद क्या जिला प्रशासन इन रेत माफियाओं पर वास्तव में कोई ठोस कार्रवाई करता है या फिर कागजों पर ही 'सब ठीक है' का खेल चलता रहेगा।

प्रशासन की 'एक दिनी' दिखावे की कार्रवाई

जिला प्रशासन पर यह आरोप लग रहे हैं कि वे केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए कभी-कभार छापेमारी करते हैं। प्रशासन एक दिन कार्रवाई का नाटक करता है और अगले ही दिन से रेत माफिया नए उत्साह के साथ उत्खनन शुरू कर देते हैं। यह सब मिलीभगत का परिणाम है।

जांच के घेरे में रॉयल्टी और पंचायत की भूमिका

क्षेत्र में उठ रही मांगों के अनुसार, अब तक ग्राम पंचायतों द्वारा कितनी रॉयल्टी जमा की गई है, इसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। उन ग्राम पंचायतों पर भी कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता है जो बिचौलियों के साथ मिलकर सरकारी संपदा को चोरी करवा रहे हैं। अक्षम पंचायतों के पट्टे निरस्त हों: जो पंचायतें खदान संचालन में अक्षम हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं। रॉयल्टी की ऑडिट: अब तक जमा की गई रॉयल्टी की राशि और उत्खनन की मात्रा का मिलान हो। जिम्मेदारी तय हो: शासन के आदेशानुसार, यदि उत्खनन नहीं रुकता तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

बकावंड अनुभाग के सात शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालन हेतु 15 मई तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बकावण्ड के अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में से ग्राम भेजरीपदर, बदलावण्ड, टलनार, बनियागांव, तारापुर ढोढरेपाल एवं तुंगापाल के शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संलग्नीकरण को निरस्त करते हुए शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम भेजरीपदर, बदलावण्ड, टलनार, बनियागांव, तारापुर, ढोढरेपाल एवं तुंगापाल के संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन केवल बृहत्ताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियां (लेम्पस), ग्राम पंचायत, महिला स्व सहायता समूह (केवल वही समूह आवेदन हेतु पात्र हैं जिनका पंजीयन विज्ञापन जारी होने की तिथि से 03 माह पूर्व हो चुका है), वन सुरक्षा समिति, अन्य पंजीकृत सहकारी समिति ही आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त श्रेणी में आने वाले संस्थाएं निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र बैंक खाता, अंतिम जमा राशि की छायाप्रति, पंजीयन प्रमाण पत्र की छायाप्रति, संचालक मंडल का प्रस्ताव सहित कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बकावण्ड जिला बस्तर में 15 मई 2026 तक कार्यालीन समयावधि के भीतर के जमा कर सकते हैं, नियत तिथि के पश्चात् प्रस्तुत आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा।

कोसा धागाकरण प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु 14 मई तक आवेदन आमंत्रित

जगदलपुर। अंत्यव्यासायी व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र जगदलपुर द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण कोसा फल से धागा निर्माण (कोसा धागाकरण) ट्रेड में साक्षर यथा न्यूनतम कक्षा 5 वीं तक की शिक्षित महिलाएं प्रशिक्षण लेने हेतु आवेदन करने के लिए पात्र हैं। अंत्यावसायी व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र कोसा केन्द्र जगदलपुर में निःशुल्क प्रशिक्षण हेतु 14 मई 2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। उक्त प्रशिक्षण की अवधि 02 माह होगी और प्रति माह शिष्यवृत्ति प्रति प्रशिक्षार्थी डेढ़ हजार रुपए होगी।अंचल के दूर-दराज क्षेत्रों से आने वाले प्रशिक्षार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है, प्रशिक्षणार्थियों को भोजन की व्यवस्था स्वयं को करनी होगी। आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक योग्यता, जाति, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है।

ग्राम पंचायतचवेला में दो नए स्टॉपडैम निर्माण और पुराने डैमों में गेट लगाने की मांग

भानुप्रतापपुर। ग्राम पंचायत चवेला के ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने क्षेत्र में जल संकट को दूर करने और सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। पंचायत की ओर से जिला कलेक्टर को पत्र सौंपकर दो नए स्टॉपडैम के निर्माण और पूर्व में बने स्टॉपडैमों की मरम्मत की मांग की गई है। ग्राम पंचायत जगजीत सिंह नागेश ने बताया कि ग्राम चवेला के संतोष मेडिया के खेत के पास और अमिला के खेत के पास दो नए स्टॉपडैम बनाए जाने की अत्यंत आवश्यकता है। ग्रामीणों का मानना है कि इन नए स्टॉपडैमों के बनने से न केवल किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा, बल्कि क्षेत्र के भूजल स्तर में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

पुराने स्टॉपडैमों में गेट न होने से पानी की बर्बादी

शिकायत पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में कोमल दुग्गा और रामभरोस पटेल के खेतों के पास पहले से ही दो स्टॉपडैम निर्मित हैं। हालांकि, इन डैमों में गेट नहीं लगाए गए हैं, जिसके कारण पानी का संचयन नहीं हो पा रहा है और डैम बनाने का मूल उद्देश्य ही विफल हो रहा है। पंचायत ने इन पुराने बांधों में तत्काल गेट लगवाने की मांग की है।

एसएलआरएम सेंटर के मरम्मत एवं नवीन निर्माण कार्य का हुआ शुभारंभ, स्वच्छता व्यवस्था होगी और मजबूत

किरंदुल। नगर पालिका परिषद किरंदुल के एसएलआरएम सेंटर में मरम्मत कार्य, शौचालय एवं पार्किंग शेड निर्माण, कन्वेयर बेल्ट सहित विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष रूबी शैलेन्द्र सिंह द्वारा विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नगर पालिका द्वारा स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से इन कार्यों की शुरुआत की गई हैं। एसएलआरएम सेंटर नगर की स्वच्छता व्यवस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां प्रतिदिन नगर से एकत्रित कचरे का पृथक्कीकरण एवं निष्पादन किया जाता है। लंबे समय से यहां कार्यरत स्वच्छता दीदियों एवं कर्मचारियों को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल पा रही थीं, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रूबी शैलेन्द सिंह ने कहा कि नगर पालिका स्वच्छता कर्मियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए लगातार आवश्यक विकास कार्य करा रही है। उन्होंने कहा कि नवीन डोम शेड एवं अन्य निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद स्वच्छता दीदियों को धूप, बारिश एवं अन्य मौसम संबंधी परेशानियों से काफी राहत मिलेगी। साथ ही बेहतर वातावरण में कार्य होने से कचरा पृथक्कीकरण कार्य भी अधिक व्यवस्थित और तेज गति से किया जा सकेगा।उन्होंने आगे कहा कि एक स्वच्छ और सुंदर नगर का निर्माण केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं है।

बस्तर में नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की अधिसूचना के साथ धारा 163 लागू

जगदलपुर। बस्तर जिले में नगरीय निकाय एवं पंचायत उप निर्वाचन की अधिसूचना के मद्देनजर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था सुनिश्चित किया जा रहा है। जिसके तहत आगामी नगरपालिक निगम जगदलपुर के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16, इंदिरा गांधी वार्ड में होने वाले उप-निर्वाचन 2026 की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आकाश छिकारा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।यह निर्णय चुनाव प्रचार के दौरान होने वाली राजनीतिक रैलियों, जुलूसों और आम सभाओं में संभावित विवादों को रोकने तथा सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। जारी आदेश के अनुसार अब निर्वाचन क्षेत्र के भीतर किसी भी सार्वजनिक स्थान, जुलूस या सभा में धारदार हथियार, लाठी, बल्लम, तलवार या अन्य किसी भी प्रकार के घातक अस्त्रों का प्रदर्शन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। जिला मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट किया है कि चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच आलोचना या मतभेद के फलस्वरूप शांति भंग होने की प्रबल संभावना रहती है, जिससे जनजीवन और लोक संपत्ति को खतरा हो सकता है। इसी खतरे के निवारण और मतदाताओं को एक भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए उक्त धारा के प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

वार्ड 13 में पूरी रात नाली में फंसी रही गाय, सुबह निकला शव,घटिया निर्माण, टूटे ढक्कन और लापरवाही से बेजुबान पशु बन रहे शिकार

अधखुली नाली बनी मौत का कुंड : दम घुटने से गऊ माता की दर्दनाक मौत, नगर पालिका पर फूटा जनाक्रोश

दंतेवाड़ा । नगर पालिका की लापरवाही ने एक बार फिर एक बेजुबान गऊ माता की जान ले ली। वार्ड क्रमांक 13 में ओम किराना स्टोर्स के पास अधखुली नाली में गिरकर एक गाय की दर्दनाक मौत हो गई। पूरी रात नाली में फंसी रहने के कारण दम घुटने से उसकी जान चली गई। सुबह स्थानीय लोगों ने गाय को मृत अवस्था में देखा तो क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।लोगों का कहना है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। नगर की खुली और टूटी नालियां लंबे समय से गौवंश और अन्य पशुओं के लिए मौत का जाल बनी हुई हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया।

रातभर तड़पती रही गाय, सुबह मिली मौत-प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बीती शाम गाय नाली में गिर गई थी। आसपास किसी की नजर नहीं पड़ने से वह पूरी रात नाली में फंसी रही। बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं था और अंततः दम घुटने से उसकी मौत हो गई। सुबह सूचना मिलने पर नगर पालिका की सफाई टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला।

घटिया निर्माण ने बढ़ाया खतरा-स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि जिन नालियों पर ढक्कन लगाए गए हैं, उनकी गुणवत्ता बेहद खराब है। निर्माण के बाद उचित क्योरिंग नहीं किए जाने से ढक्कन जल्दी टूट जाते हैं। कई स्थानों पर आधे नाले ढके हैं और आधे पूरी तरह खुले पड़े हैं। टूटे ढक्कन अब इंसानों और पशुओं दोनों के लिए खतरा बन चुके हैं।

डेढ़ साल में नहीं सुधरी व्यवस्था-नए नगर पालिका परिषद के गठन को लगभग डेढ़ वर्ष हो चुका है, लेकिन अब तक नालियों के टूटे ढक्कनों की मरम्मत और खुले हिस्सों को ढंकने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई। वार्डवासियों का कहना है कि पार्षदों ने भी इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया।

जनता में रोषः ÷गौ सेवा की बात करने वाले अब जवाब दें÷-घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उनका कहना है कि गौ संरक्षण की बातें करने वाले जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि अब बताएं कि आखिर और कितनी गायों की जान जाने के बाद व्यवस्था सुधरेगी।

÷गौ हत्या का पाप किसके सिर?÷-नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते नालियों को ढंका जाता और टूटे ढक्कनों को बदला जाता, तो यह हादसा टाला जा सकता था। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।

मुख्य सवाल

(1) नगर की खुली नालियों को ढंकने में देरी क्यों?

(2)घटिया निर्माण के लिए जिम्मेदार कौन?

(3)अब तक दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं?

(4)और कितनी गऊ माताओं की मौत के बाद जागेगा प्रशासन?

संक्षिप्त समाचार

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए विधायक, कलेक्टर, अनेक जनप्रतिनिधि और श्रध्दालु

गौरेला पेंड्रा मरवाही। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था के 1000 वर्ष पूर्ण होने पर जिला प्रशासन द्वारा ज्वालेश्वर महादेव मंदिर परिसर तवाडबरा विकासखंड गौरेला में सोमवार को आयोजित भजन संध्या में विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, उपाध्यक्ष राजा उपेन्द्र बहादुर सिंह, कलेक्टर डा संतोष कुमार देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में श्रध्दालु उपस्थित हुए। विधायक और कलेक्टर ने ज्वालेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर जिले वासियों की सुख समृध्दि की कामना की। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और आत्मगौरव का प्रतीक माना जाता है। इसी भावना को केंद्र में रखकर आयोजित भजन संध्या में भक्ति और राष्ट्र गौरव का अद्भुत संगम देखने को मिला। भजन गायकों-साजन पाठक, मीनाक्षी केशवानी और कीर्ति कुसरो ने भक्ति से सराबोर भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव विभोर किया। देर रात तक चले भक्ति संगीत में श्रद्धालु भक्ति रस में झूमते नजर आए और पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। भजन संध्या कार्यक्रम में कलेक्टर ने सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास, सनातन परंपरा की मजबूती और भारतीय संस्कृति की अखंडता पर प्रकाश डालते हुए इसे राष्ट्र की आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक बताया। आयोजन ने क्षेत्र में धार्मिक चेतना और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया।

आदर्श आचार संहिता लागू होने से कुछ वार्ड एवं ग्राम पंचायतों को रखा गया सुशासन तिहार शिविर से मुक्त

बिलासपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजय अग्रवाल द्वारा सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित किए जाने वाले जन समस्या निवारण शिविरों के संबंध में आंशिक संशोधन आदेश जारी किया गया है। नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायत उपचुनाव के मद्देनजर कुछ क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील होने के कारण संबंधित वार्ड एवं ग्राम पंचायतों को सुशासन तिहार शिविर कार्यक्रम से मुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार नगर निगम बिलासपुर के जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 29 में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण 2 जून 2026 को एल-2 दुर्गा पंडाल के पास प्रस्तावित शिविर से मुक्त किया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत उपचुनाव वाले क्षेत्रों में भी सुशासन तिहार के अंतर्गत प्रस्तावित जन समस्या निवारण शिविरों में आंशिक संशोधन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेशानुसार जिन ग्राम पंचायतों में आदर्श आचार संहिता लागू है, वहां प्रस्तावित शिविरों से इन ग्रामों को मुक्त किया गया है। इनमें गतोरा, रिस्दा, गिधपुरी-ओखर, करगीखुर्द, केवटाडीह (भू.) तथा कलारतराई,रानीसागर पंचायत क्षेत्र शामिल हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों एवं आदर्श आचार संहिता का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों को संशोधित कार्यक्रम की जानकारी समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

45 लाख की चांदी सड़क पर गुम, कुरियर बॉय की एक गलती से मचा हड़कंप

बिलासपुर। बिलासपुर में 45 लाख रुपए कीमत की चांदी रहस्यमयी तरीके से गायब होने का मामला सामने आया है। घटना के बाद सराफा कारोबारियों और कुरियर कंपनी में हड़कंप मच गया है। मामला सदर बाजार स्थित प्रतिमा ज्वेलर्स से जुड़ा हुआ है, जहां रायपुर से भेजी गई चांदी की खेप अधूरी पहुंची। जानकारी के मुताबिक रायपुर से वीआईपी कुरियर के जरिए करीब 18 किलो चांदी बिलासपुर भेजी गई थी। डिलीवरी के दौरान कुरियर बॉय केवल 10 किलो चांदी वाला पार्सल ही सौंप पाया, जबकि लगभग 8 किलो चांदी से भरा दूसरा पार्सल रास्ते में गायब हो गया। गायब चांदी की कीमत करीब 45 लाख रुपए बताई जा रही है। कुरियर बॉय ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि सत्या सर्विसेस से डॉ. लाडीकर हॉस्पिटल के बीच कहीं पार्सल गिर गया। काफी खोजबीन के बाद भी पार्सल का कोई सुराग नहीं मिल पाया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रतिमा ज्वेलर्स के संचालक ने कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। जिला कार्यालय के मंथन सभा कक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिलेभर से पहुंचे लोगों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल ने भी लोगों की समस्याओं को सुना। जनदर्शन में आज अवैध कब्जा, सीमांकन, महतारी वंदन योजना, दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना से संबंधित प्रकरण ज्यादा प्राप्त हुए। जनदर्शन में आज मस्तुरी विकासखण्ड के बेलपान गांव के ग्रामीणों ने आवेदन देकर बताया कि गांव में स्थापित कालिन्दी इस्पात कंपनी द्वारा भूजल का अत्यधिक दोहन किए जाने से गांव में जल संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कंपनी ने पूर्व में शिवनाथ नदी से पानी उठाने की बात कहीं थी लेकिन वर्तमान में बोरवेल और पाइपलाइन के माध्यम से भूजल का अंधाधुंध दोहन औद्योगिक कामों के लिए किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की। मस्तुरी विकासखण्ड के ग्राम पोड़ी के किसानों ने बांधा जलाशय चौड़ीकरण कार्य में अधिग्रहित निजी भूमि की मुआवजा डेढ़ दशक बाद भी नहीं मिलने की शिकायत की। पोड़ी के लगभग 40 किसानों का मुआवजा अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। कलेक्टर ने भू अभिलेख शाखा को उनका आवेदन भेजते हुए त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए है। जरहाभाठा निवासी अमीना बेगम ने निराश्रित पेंशन की राशि पुनः चालू करने की मांग करते हुए आवेदन दिया। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि वह अभी जीवित है लेकिन नगर निगम द्वारा उन्हें मृत बताकर पेंशन बंद कर दिया है। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक को इसी जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। वहीं जिले की विभिन्न शराब दुकानों में कार्यरत करीब 150 सुरक्षा गार्डों ने जनदर्शन में पहुंचकर पिछले दो माह से वेतन नहीं मिलने की शिकायत की। गार्डों ने बताया कि निर्धारित समय से अधिक ड्यूटी लेने के बावजूद उन्हें समय पर वेतन और ओवरटाइम भुगतान नहीं मिला है। इस पर कलेक्टर ने आबकारी अधिकारी को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्राम लमेर के एक युवा किसान भाग्योदय ने कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक अपनाने की इच्छा जताते हुए कलेक्टर से कृषि ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और ड्रोन खरीदी में सब्सिडी प्रदान करने का आग्रह किया, ताकि वे गांव में ही स्वरोजगार शुरू कर सकें। वहीं दूसरी ओर ग्राम पंचायत पाली (नवाडीह) के निवासी बड़ी संख्या में मोहल्ले के बीचों-बीच लगाए गए 6 बिजली खंभों के विरोध में नजर आए। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर ये खंभे लगवाए गए हैं, जिससे बस्ती में हादसे का खतरा बढ़ गया है। कलेक्टर ने इसे टीएल पंजी में दर्ज करते हुए बिजली विभाग को अगली बैठक में जवाब देने को कहा है।

आधुनिक कृषि तकनीकों से किसान महेश हुए आत्मनिर्भर

- उद्यानिकी विभाग की योजनाओं से संवर रहा किसानों का जीवन

बिलासपुर। बिल्हा के कछार निवासी श्री महेश कश्यप क्षेत्र के एक प्रगतिशील किसान हैं। वे पूर्व में परंपरागत खेती करते थे, जिसमें लागत अधिक और लाभ कम प्राप्त होता था। उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित समेकित उद्यानिकी विकास योजना की जानकारी मिलने पर उन्होंने आधुनिक तकनीकों को अपनाने का निर्णय लिया। उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में श्री कश्यप ने अपने खेत में ड्रिप सिंचाई, प्लास्टिक मल्चिंग तथा वर्मी कम्पोस्ट खाद का उपयोग करते हुए बैंगन एवं अन्य सब्जियों की उन्नत खेती प्रारंभ की। विभाग द्वारा उन्हें लगभग 2.00 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण एवं फेंसिंग हेतु अनुदान भी प्रदान किया गया। किसान श्री महेश ने अंतरवर्ती फसल के रूप में कद्दू एवं अन्य सब्जियों की खेती की, जिससे अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। ड्रिप सिंचाई तकनीक अपनाने से पानी की बचत हुई तथा फसल में रोग एवं खरपतवार की समस्या भी कम हुई। मल्चिंग के उपयोग से मिट्टी में नमी बनी रही और उत्पादन में वृद्धि हुई। श्री महेश कश्यप ने लगभग 4.5 एकड़ क्षेत्र में खेती कर अनुमानित 900 से 1100 क्विंटल उत्पादन प्राप्त किया। इस खेती में लगभग 7 से 8 लाख रुपये की लागत आई, जबकि बिक्री से उन्हें लगभग 14 से 15 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इस प्रकार उन्हें अच्छी आमदनी हुई और उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया। आज श्री महेश कश्यप अपने क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं।

केंद्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में आधुनिक रसोई परिसर एवं नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष का शुभारंभ

बिलासपुर। केंद्रीय चिकित्सालय, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में नवनिर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित रिनोवेटेड किचन कॉम्प्लेक्स तथा ओपीडी कॉम्प्लेक्स के नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष का उद्घाटन विधिवत फीता काटकर श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अस्पताल में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के साथ-साथ मरीजों एवं उनके परिजनों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक वातावरण प्रदान करना रेलवे प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास से न केवल मरीजों को बेहतर उपचार वातावरण मिलेगा, बल्कि अस्पताल की कार्यप्रणाली भी अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनेगी। नवनिर्मित रसोई परिसर में आधुनिक उपकरणों, स्वच्छता मानकों तथा सुरक्षित खाद्य प्रबंधन व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया है। इससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसी प्रकार, ओपीडी कॉम्प्लेक्स में स्थापित नवीन पंजीकरण/स्वागत कक्ष के प्रारंभ होने से मरीजों को पंजीकरण, मार्गदर्शन एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त करने में अधिक सुविधा होगी। इससे ओपीडी सेवाओं में सुव्यवस्था एवं कार्यकुशलता भी बढ़ेगी तथा मरीजों की प्रतीक्षा अवधि में कमी आएगी।

डीएमएफशासी परिषद की बैठक, 150 करोड़ रूपए की वार्षिक कार्य-योजना का अनुमोदन

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में 150 करोड़ रूपए राशि की वित्तीय वर्ष 2026-27 की नवीन वार्षिक कार्य-योजना का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। बैठक में विधायक सर्वश्री श्री धरमलाल कौशिक, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, श्री दिलीप लहरिया, श्री अटल श्रीवास्तव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे, जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप अग्रवाल, एसडीएम श्रीमती आकांक्षा त्रिपाठी सहित शासी परिषद के सदस्य एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिले के विकास के लिए प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा कर अनुमोदन दिया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जिले में पेयजल से संबंधित कार्यों के लिए 5 करोड़ 60 लाख रूपए, स्वास्थ्य सेवा को प्रभावी बनाने के लिए 16 करोड़, शिक्षा के लिए 31 करोड़ 64 लाख रूपए जिसमें महाविद्यालयों में शेड निर्माण, शिक्षा सेंटर के लिए शेड निर्माण, स्कूलों में आवश्यकतानुसार कक्ष एवं शेड निर्माण सहित अन्य कार्य शामिल है। महिला एवं बाल कल्याण के लिए 6 करोड़ का प्रावधान किया गया है। पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए 11 करोड़, वृद्ध एवं दिव्यांगजन कल्याण के लिए 10 करोड़ 35 लाख रूपए, कौशल विकास के लिए 8 करोड़ सहित अन्य कार्यों का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा बैठक में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक-एक सियान सदन, पुलिस विभाग को दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने के लिए तीन एम्बुलेंस, शहर के घनी आबादी वाले क्षेत्र गोल बाजार और नेहरू चौक से कोर्ट परिसर तक अंडरग्राउण्ड बिजली व्यवस्था, मल्हार मंदिर परिसर में शेड निर्माण, पुलिस ग्राउण्ड के मुख्य मंच का कायाकल्प, मंगला, तिफरा, उस्लापुर और बहतराई में मुक्तिधाम, सभी विकासखण्डों के चुनिंदा ग्राम पंचायतों में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र, ट्रैफिक नियंत्रण के लिए हाइड्रा वाहन आदि विकास कार्यों के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

पेंड्रारोड और मरवाही को मिली बड़ी न्यायिक सौगात

- हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीश श्री रमेश सिन्हा ने न्यायिक कर्मचारियों के लिए आवासीय परिसर एवं नवीन सिविल कोर्ट भवन का किया वर्चुअल भूमि पूजन
- निर्माण कार्य एनआईटी मानकों के अनुरूप और पूरे प्रदेश के लिए अनुकरणीय हो: मुख्य न्यायाधीश

मरवाही। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायलय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा ने आज जीपीएम जिले को बड़ी न्यायिक सौगात देते हुए पेंड्रारोड में डीआरडीए कार्यालय के पीछे न्यायिक कर्मचारियों के लिए सर्वसुविधायुक्त आवासीय परिसर और मरवाही में नवीन सिविल कोर्ट भवन निर्माण के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भूमि पूजन किया। मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा ने वर्चुअली संबोधन के दौरान जिला जज एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी प्रस्तावित निर्माण कार्य शासन द्वारा निर्धारित एनआईटी के मापदंडों के अनुरूप कराए जाएं। उन्होंने कहा कि भवनों का निर्माण गुणवत्ता, सुविधा और आधुनिक संरचना के लिहाज से ऐसा हो कि वह पूरे प्रदेश में अनुकरणीय बन सके। इस अवसर पर हाईकोर्ट की पोर्टफोलियो जज श्रीमती रजनी दुबे भी वर्चुअल रूप से मौजूद रहीं। मुख्य न्यायधीश श्री रमेश सिन्हा के वर्चुवली भूमि पूजन-शिलान्यास के साथ ही मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पेंड्रारोड श्री महेशबाबू साहू और कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने विधिवत पूजा अर्चना के साथ पेंड्रारोड में आवासीय परिसर का शिलान्यास किया। जानकारी के अनुसार पेंड्रारोड में न्यायिक कर्मचारियों के लिए कुल 26 आवास बनाए जाएंगे। इनमें 8 जी-टाइप, 10 एच-टाइप तथा 8 आई-टाइप मकान शामिल हैं। वहीं मरवाही में आधुनिक सुविधाओं से युक्त सिविल कोर्ट भवन का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य के न्यायाधीश वर्चुअल माध्यम से एवं जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही के कलेक्टर पुलिस अधीक्षक सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारी गण उपस्थित रहे

इंदौर मालवा महोत्सव में छाया रहा गेड़ी नृत्य का जादू

- विधानसभा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री ने किया अनिल गढ़ेवाल का सम्मान
- इंदौर वासियों के मन को छू गया गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन

बिलासपुर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 25 वा मालवा महोत्सव जो की इंदौर जिला में संपन्न हुआ इसमें बिलासपुर छत्तीसगढ़ की लोकप्रिय संस्था गेड़ी लोक नृत्य दल को प्रदर्शन हेतु आमंत्रण प्राप्त हुआ था गेड़ी लोक नृत्य दल अनिल कुमार गढ़ेवाल के कुशल नेतृत्व में प्रदर्शन दिनांक 6 एवं 7 तथा 8 मई को इंदौर के विराट मंच में प्रदर्शित किया गया ! गेड़ी लोक नृत्य का प्रदर्शन पारंपरिक वेशभूषा तथा पारंपरिक वाद्य यंत्र एवं पारंपरिक गीत शैली के आधार पर प्रदर्शित किया गया जिसकी सराहना इंदौर वासियों ने खुले मन से किये ! अनिल गढ़ेवाल के द्वारा गाया हुआ गीत काट ले हरिहर बाँसे जो भला गीत में इंदौर वासी झूम उठे वहीं बिना ताल टूटे एक ही जगह पर घूम-घूम कर मोहन डोंगरे ने मांदल वादन किया तो पूरा दशहरा मैदान तालिया की गड़गड़ाहट से गूंज उठा ! मुख्य मांदल वादक संजय रात्रे ने पारंपरिक मांदल वादन कर दर्शकों को चकित कर दिया वहीं महेश नवरंग के बांसुरी के स्वर लहरियों में इंदौर वासी झूम उठे तथा सौखी लाल सूर्यवंशी के द्वारा गीत एवं नृत्य को हारमोनियम में स्वर दिया गया सह वादक के रूप में रामनाथ उत्तम ने अपनी भूमिका निभाई ! दर्शन गण आश्चर्यचकित तब हुवे जब मुख्य गेड़ी नर्तक चेतन कुर्रे तथा लक्ष्मी नारायण माण्डले के गेड़ी में खड़े रहने के बावजूद शुभम भार्गव ने उनके कंधों पर खड़े होकर गेड़ी को हवा में लहराया तो दशहरा मैदान तालियो की गड़गड़ाहट से गूंज उठा वही फूलचंद ओगरे ने एक गेड़ी उठाकर डांस किया तो दर्शनगण आश्चर्य चकित हो गए सह गेड़ी नर्तक के रूप में मनोज माण्डले ,खेलन दास ओगरे ,अजय चेलकर, योगेश ओगरे ,संजय ओगरे ने अपनी भूमिका निभाई ! गेदी नृत्य प्रदर्शन के उपरांत केंद्रीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी एवं मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी ने अनिल गढ़ेवाल का मंच पर सम्मानित किये !कौड़ियों एवं चीनी मिट्टी की माला पटसन वस्त्र ,मयूर पंख धारण करके सभी कलाकारों ने अद्भुत गेड़ी नृत्य का प्रदर्शन किया गेड़ी लोक नृत्य का नृत्य संचालन एवं गीत संयोजन अनिल कुमार गढ़ेवाल के द्वारा तैयार किया गया है !

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत हिंदू कैलेंडर के सभी महीनों के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को किया जाता है। भगवान विष्णु को समर्पित एकादशी व्रत करने से भक्तों को जीवन के कष्टों से मुक्ति मिलती है। ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अपरा एकादशी भी इनमें से ही एक है। इसे अचला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। आइए जानें इस साल अपरा एकादशी का व्रत किस दिन किया जाएगा और इस व्रत में क्या करें और किन चीजों से दूर रहें?

13 या 14 मई, कब किया जाएगा अपरा एकादशी का व्रत?

वैदिक पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 12 मई 2026 को दोपहर 2 बजकर 52 मिनट पर शुरू होगी और 13 मई 2026 को दोपहर 1 बजकर 30 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, अपरा एकादशी का व्रत 13 मई 2026, बुधवार को रखा जाएगा। इस व्रत का पारण 14 मई को सुबह 6 बजकर 4 मिनट से 8 बजकर 41 मिनट के बीच किया जाएगा।

अपरा एकादशी पर क्या करना चाहिए?

अपरा एकादशी के दिन सुबह स्नानादि के बाद, व्रत का संकल्प लेकर पूरे दिन विधि-पूर्वक व्रत करना चाहिए। पद्म पुराण मे एकादशी तिथि पर व्रती को अपनी सामर्थ्य अनुसार अन्न, जल आदि दान करना चाहिए। एकादशी तिथि पर रात मे शयन करने के बजाए विष्णुजी के भजन करने चाहिए। अपरा एकादशी के दिन मन को शांत रखकर भगवान का ध्यान करें और विष्णुजी के मंत्रों का जाप करें। एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर ही करना चाहिए। एकादशी व्रत का पारण करने के लिए द्वादशी तिथि अपने परिवार के किसी सदस्य या बच्चे से तुलसी दल तुड़वाने चाहिए।

अपरा एकादशी पर क्या नहीं करना चाहिए?

एकादशी तिथि से एक दिन पहले यानी दशमी तिथि से लहसुन, प्याज आदि तामसिक चीजों का सेवन न करें।

एकादशी पर चावल का सेवन शुभ नहीं माना जाता है। यह नियम परिवार के सदस्यों पर भी लागू होता है।

एकादशी तिथि पर तुलसी को स्पर्श नहीं किया जाता, इसलिए पूजा के लिए तुलसी दल पहले ही रख लें। एकादशी का व्रत का पारण द्वादशी तिथि पर तुलसी के पत्ते के साथ ही किया जाता है, लेकिन इस दिन भी व्रती को तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए।

मान्यता है कि एकादशी के दिन अपने मन में किसी भी प्रकार के नकारात्मक विचार नहीं रखने चाहिए।

एकादशी व्रत में दोपहर में नहीं सोना चाहिए। अगर संभव हो तो व्रत के दौरान बेड पर भी न सोएं। एकादशी तिथि के दिन नाखून और बाल काटना भी वर्जित माना जाता है।

अपरा एकादशी पर घर आए किसी जरूरतमंद को कभी खाली हाथ वापस नहीं भेजना चाहिए।

अपरा एकादशी के व्रत में नमक का सेवन करना वर्जित माना गया है। इससे व्रत बीच में टूट सकता है।

एकादशी के दिन झूठ, क्रोध, बुराई, लालच आदि भावनाओं से दूर रहना चाहिए। इस दिन दूध और दही का सेवन करना भी वर्जित माना गया है।

घर में लगे मनी प्लांट का अचानक सूखना वास्तु शास्त्र में अशुभ

वास्तु शास्त्र में मनी प्लांट को धन और समृद्धि लाने वाला पौधा माना जाता है। यह ना सिर्फ घर की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है, बल्कि आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में भी मदद करता है। लेकिन कई बार मनी प्लांट के सूखने, ना बढ़ने या पत्ते जमीन को छूने जैसे संकेत वास्तु दोष की ओर इशारा करते हैं। अगर इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए, तो आर्थिक नुकसान से बचा जा सकता है।

मनी प्लांट का वास्तु महत्व

वास्तु के अनुसार मनी प्लांट धन का प्रतीक है। इसे घर में लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। यह पौधा नकारात्मक ऊर्जा को सोखने और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का काम करता है। लेकिन सही जगह और सही तरीके से ना लगाया जाए तो यह उल्टा असर भी कर सकता है।

अचानक सूखना - आर्थिक हानि का संकेत

अगर घर में लगा मनी प्लांट अचानक सूखने लगे, तो वास्तु शास्त्र में इसे अशुभ संकेत माना जाता है। इसका मतलब है कि आपके खर्चे बढ़ने वाले हैं या अनावश्यक खर्चों से धन की हानि हो सकती है। ध्यान रखें कि अगर पौधा ज्यादा धूप या पानी की कमी से सूखा है, तो यह सामान्य बात है। लेकिन बिना किसी कारण के सूखना वास्तु दोष का संकेत हो सकता है।

पत्ते जमीन को छूना

मनी प्लांट के पत्ते अगर जमीन को छू रहे हैं, तो यह अच्छा संकेत नहीं है। वास्तु के अनुसार इससे घर की सुख-समृद्धि प्रभावित होती है। पौधे को तुरंत ऊपर की ओर सहारा देकर बांध दें, ताकि पत्ते जमीन को ना छू सकें।

मनी प्लांट का वास्तु महत्व

वास्तु के अनुसार मनी प्लांट धन का प्रतीक है। इसे घर में लगाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। यह पौधा नकारात्मक ऊर्जा को सोखने और सकारात्मक ऊर्जा फैलाने का काम करता है। लेकिन सही जगह और सही तरीके से ना लगाया जाए तो यह उल्टा असर भी कर सकता है।

मनी प्लांट लगाने के लिए शुक्रवार सबसे शुभ दिन है।
सही दिशा: उत्तर या पूर्व दिशा मे लगाएं।
पानी: ज्यादा पानी ना दें, मिट्टी सूखने पर ही पानी डालें। पौधे के आसपास साफ-सफाई रखें, मुरझाए पत्ते तुरंत हटा दें।

उपाय:

अगर पौधा सूख रहा है तो उसे हटाकर नए पौधे से शुरू करें और शुक्रवार को लक्ष्मी-गणेश की पूजा करें।
मनी प्लांट सिर्फ एक सजावटी पौधा नहीं, बल्कि घर की आर्थिक स्थिति का सूचक भी है। अगर यह स्वस्थ और हरा-भरा रहता है, तो धन आने के योग बनते हैं। लेकिन अचानक सूखना, ना बढ़ना या पत्ते जमीन छूना जैसे संकेतों को नजरअंदाज ना करें। इनका समय रहते ध्यान रखकर आप वास्तु दोष से बच सकते हैं और घर में सुख-समृद्धि बनाए रख सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपकी अपनी राशि मे सूर्य, मंगल और बुध का त्रिग्रही योग आपको असीमित ऊर्जा प्रदान कर रहा है, लेकिन चंद्रमा की स्थिति मानसिक व्यग्रता और अनिद्रा दे सकती है। करियर में मेहनत का फल मिलेगा, हालांकि गुप्त शत्रुओं से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। बिजनेस मे निवेश के लिए जोखिम लेने से बचें। लव लाइफ में पार्टनर के साथ भावनात्मक दूरी महसूस हो सकती है।

वृषभ राशि - आपके लिए लाभ और खुशियों का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के एकादश भाव मे चंद्रमा का गोचर शनि के साथ हो रहा है। आपकी राशि मे स्थित शुक्र सुख-सुविधाओं में वृद्धि करेंगे। करियर में प्रमोशन के प्रबल अवसर हैं और बिजनेस मे आर्थिक लाभ की स्थिति बनी हुई है। पुराने निवेश से अच्छी आय प्राप्त होगी। प्रेम प्रसंगों में सफलता मिलेगी और वैवाहिक जीवन में रोमांस बढ़ेगा। दोस्तों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है।

मिथुन राशि - आपकी राशि में विराजमान गुरु आपकी निर्णय क्षमता को मजबूत करेंगे। करियर और जॉब में तरक्की के नए अवसर प्राप्त होंगे, हालांकि जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी। बिजनेस में स्थिरता आएगी और आप भविष्य की नई योजनाएं बनाएंगे। लव लाइफ में पार्टनर के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। पारिवारिक सुख और शांति बनी रहेगी। आर्थिक मामलों में समझदारी से लिए गए निर्णय लाभ देंगे। फिटनेस पर ध्यान दें।

कर्क राशि - आपके लिए भाग्य के उदय का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के नवम भाव में चंद्रमा का गोचर हो रहा है। शनि के साथ चंद्रमा की युति धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ाएगी। करियर में चल रही चुनौतियां दूर होंगी और तरक्की के रास्ते खुलेंगे। बिजनेस में विदेश से जुड़े काम या लंबी यात्रा से लाभ होगा। आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ है, आय के स्रोत बढ़ेंगे। लव लाइफ में स्थिरता आएगी और पार्टनर के साथ भविष्य की योजनाएं बनाएंगे।

सिंह राशि - आपकी राशि के अष्टम भाव मे चंद्रमा और शनि की युति है। मेष राशि का त्रिग्रही योग आपको साहसी बनाएगा, लेकिन अष्टम चंद्रमा अचानक बाधाएं खड़ी कर सकता है। करियर में सहकर्मियों से प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। निवेश के मामलों में जोखिम न लें, आर्थिक हानि की आशंका है। लव लाइफ में पार्टनर के साथ वाद-विवाद से बचें, अन्यथा ब्रेकअप की स्थिति बन सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, चोट लगने का भय है।

कन्या राशि - आपके लिए साझेदारी और सामंजस्य का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के सप्तम भाव में चंद्रमा और शनि विराजमान हैं। बिजनेस पार्टनर के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे, जिससे व्यापार में विस्तार होगा। नौकरी में टीम वर्क से बड़ी सफलता मिलेगी। लव लाइफ में रोमांस और प्यार बना रहेगा, विवाह की बात आगे बढ़ सकती है। दांपत्य जीवन में सुख और आकर्षण रहेगा। आर्थिक लाभ के नए अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन पैरों में थकान महसूस हो सकती है।

तुला राशि- आपके लिए विजय और अनुशासन का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के षष्ठ भाव में चंद्रमा और शनि का गोचर है। मेष राशि का त्रिग्रही योग आपके व्यापारिक प्रतिद्वंद्वियों को परास्त करने में मदद करेगा। नौकरी में आपकी मेहनत की सराहना होगी और कोई नया पद मिल सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, हालांकि स्वास्थ्य पर खर्च हो सकता है।

वृश्चिक राशि - आपके लिए बुद्धिमत्ता और सृजनात्मकता का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के पंचम भाव में चंद्रमा और शनि स्थित हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता मिल सकती है। बिजनेस में नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अनुकूल है। शेयर बाजार या निवेश से लाभ के योग हैं। लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और पार्टनर के साथ संबंधों में गहराई आएगी। संतान पक्ष से सुखद समाचार मिल सकता है।

धनु राशि- सुख-सुविधाओं और भावनाओं का रहेगा क्योंकि आपकी राशि के चतुर्थ भाव में चंद्रमा और शनि की युति है। परिवार में किसी बात को लेकर मानसिक तनाव हो सकता है, लेकिन धैर्य से काम लें। करियर में स्थिरता रहेगी और बिजनेस में मध्यम लाभ होगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में निर्णय लेते समय सावधानी बरतें। लव लाइफ में पार्टनर की भावनाओं का सम्मान करें।

मकर राशि - करियर में नई शुरुआत और तरक्की के शानदार अवसर मिलेंगे। आपके संचार कौशल से बिजनेस में बड़ी डील फाइनल हो सकती है। छोटी दूरी की यात्राएं सुखद और लाभप्रद रहेंगी। लव लाइफ में आकर्षण बढ़ेगा और पार्टनर के साथ रिश्ते मजबूत होंगे। आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। दोस्तों का सहयोग आपको सफलता दिलाएगा।

कुंभ राशि- धन के संचय में सफलता मिलेगी और आय के नए मार्ग खुलेंगे। करियर में आपकी स्पष्टवादिता आपको सफलता दिलाएगी। बिजनेस में विस्तार के अवसर मिलेंगे। लव लाइफ में गंभीरता आएगी और पार्टनर के साथ भविष्य पर चर्चा हो सकती है। परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। आंखों या दांतों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। निवेश के लिए दिन शुभ है, लेकिन योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना आपके लिए तरक्की लेकर आएगा।

मीन राशि- मानसिक रूप से आप थोड़े चिंतित रह सकते हैं, लेकिन गुरु की दृष्टि आपको सही रास्ता दिखाएगी। करियर में मेहनत बढ़ेगी, जिसका परिणाम आने वाले समय में सुखद होगा। बिजनेस में नई योजनाओं पर काम टालना बेहतर रहेगा। लव लाइफ में पार्टनर का सहयोग आपको संबल प्रदान करेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव संभव है, ऊर्जा की कमी महसूस हो सकती है। शांति बनाए रखने के लिए भगवान शिव की आराधना करें।

केला खाने के बाद पानी क्यों नहीं पीना चाहिए?

हमारे घरों में अक्सर बड़े-बुजुर्ग यह सलाह देते हैं कि केला खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए। बचपन से ही यह बात सुनने को मिलती है कि ऐसा करने से पेट खराब हो सकता है। हालांकि कई लोग इसे सिर्फ एक पुरानी मान्यता समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन इसके पीछे कुछ कारण भी बताए जाते हैं।आज हम समझेंगे कि केला खाने के बाद तुरंत पानी पीने से शरीर पर क्या असर पड़ सकता है और यह सलाह क्यों दी जाती है। साथ ही यह भी जानेंगे कि बड़े-बुजुर्गों की कही बातें कई बार सेहत के लिहाज से सही क्यों होती हैं।

केला एक बहुत ही पौष्टिक फल माना जाता है। इसे सुपर फ्रूट भी कहा जाता है क्योंकि इसमें कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। केले में भरपूर मात्रा मे फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसके अलावा इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, हेल्दी फैट, पोटेशियम, मैग्नीशियम, कॉपर, विटामिन A, C और B6 भी पाए जाते हैं। सुबह के नाश्ते में केला खाना बहुत लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर को तुरंत ऊर्जा देता है। अगर इसे दही या अन्य पौष्टिक चीजों के साथ खाया जाए तो इसके फायदे और बढ़ जाते हैं। अगर कोई व्यक्ति केला खाने के तुरंत बाद पानी पी लेता है, तो इससे कुछ लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसा माना जाता है कि केले में मौजूद पोषक तत्व और पोटेशियम जब ठंडे पानी के साथ मिलते हैं, तो पेट में गैस, एसिडिटी और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार इससे पाचन प्रक्रिया भी प्रभावित हो जाती है और पेट भारी लगने लगता है। इसलिए इसे सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता। अगर आपने केला खाया है, तो तुरंत पानी पीने से बचना चाहिए। कम से कम 30 मिनट का अंतर रखना बेहतर माना जाता है। इस समय के बाद शरीर केले के पोषक तत्वों को अच्छे से पचा लेता है और फिर पानी पीने से कोई परेशानी नहीं होती।

टूटे पत्थरों से अटूट आस्था तक : सोमनाथ की गाथा

ब्रिजेश सिंह,
महासंचालक एवं प्रधान सचिव (DGIPR)

भारत को स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद, 13 नवंबर 1947 को तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल सोमनाथ पहुंचे। समुद्र तट पर खड़े होकर उन्होंने मंदिर के खंडहरों को गंभीरता से देखा और एक संकल्प लिया—सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का। वह क्षण भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का पहला महान उदय था, सभ्यतागत आत्मसम्मान की सार्वजनिक पुनप्राप्ति का क्षण। और अब, 11 मई को जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ अमृत महोत्सव में मंदिर की पुनर्स्थापित दिव्यता के बीच भाग लिया, तो वही संकल्प एक बार फिर प्रज्ज्वलित होता दिखाई दिया।

विशेष महापूजा, कुंभाभिषेक, ध्वजारोहण और जनसमूह की विराट उपस्थिति—ये सब मिलकर विनाश से पुनर्निर्माण और पुनर्जागरण तक की एक अखंड यात्रा की घोषणा करते हैं। यह यात्रा सरदार पटेल के स्वप्न से आज के आत्मविश्वास से भरे भारत तक फैली एक सतत सभ्यतागत धारा है। यह विरासत प्रत्येक पीढ़ी को अपने सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करने, एकता को सहेजने और भारत की सनातन आत्मा में अटूट विश्वास के साथ समृद्ध, सौहार्दपूर्ण और अखंड भविष्य की ओर बढ़ने का आह्वान करती है। अमेरिकी लेखक मार्क टेन ने प्रसिद्ध रूप से कहा था कि वाराणसी इतिहास, परंपरा और किंवदंतियों से भी प्राचीन है। लेकिन शायद उन्होंने प्रभास पाटन और सोमनाथ नहीं देखा था। भागवत पुराण के अनुसार, चंद्रदेव को उनके ससुर दक्ष ने श्राप दिया था। उस श्राप से मुक्ति पाने के लिए चंद्र ने इसी स्थल पर भगवान शिव की आराधना की और इसी कारण यह स्थान 'सोमनाथ—अर्थात चंद्र के स्वामी'—के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

मंदिर बनने से बहुत पहले ही प्रभास पाटन मानव बस्ती का केंद्र था। ईसा पूर्व 3000 से यहां पूर्व-हड़प्पा कृषि और पशुपालन संस्कृति मौजूद थी। सिंधु घाटी सभ्यता के पतन के बाद भी यहां जीवन जारी रहा। यहां प्राप्त रेड पॉलिश्ड वेयर मिट्टी के बर्तन और प्रारंभिक लिपियों के अवशेष इसका प्रमाण हैं। प्रारंभिक ईस्वी शताब्दियों तक यह एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक नगर बन चुका था। समुद्र में 7 से 10 मीटर की गहराई पर मिले पत्थर के लंगर प्राचीन समुद्री व्यापार की गवाही देते हैं। यह तट केवल एक सुंदर किनारा नहीं था, बल्कि व्यापार और सभ्यता का प्रवेशद्वार था। यहां बस्ती और पवित्रता साथ-साथ विकसित हुईं।

प्राचीन ग्रंथों में प्रभास क्षेत्र को तीर्थ कहा गया है। महाभारत में इसे भगवान कृष्ण के देहत्याग का स्थल बताया गया है। पत्थरों के शाश्वतता का प्रतीक बनने से पहले ही यह तट सांसारिक और आध्यात्मिक जगत के बीच एक पवित्र संगम था। इसकी प्रारंभिक संरचनाएं साधारण—लकड़ी और घास-फूस की—थीं, लेकिन उनका महत्व इसलिए था क्योंकि वे उस बिंदु को चिह्नित करती थीं जहां मानव हृदय ईश्वर की ओर मुड़ता है।

सोमनाथ का पहला ऐतिहासिक रूप से प्रमाणित मंदिर लगभग 649 ईस्वी में वल्लभी के मैत्रक शासकों के काल में बना। 9वीं और 10वीं शताब्दी तक चालुक्य/सोलंकी काल में सोमनाथ काशी और उज्जैन के समकक्ष एक प्रमुख तीर्थस्थल बन चुका था। पुरातत्वविद बी.के. थापर के 1950–51 के उत्खननों में पूर्वाभिमुख त्रि-अंग संधार प्रासाद के अवशेष मिले—गर्भगृह, मंडप और सभागृह सहित भव्य स्थापत्य। लकुलीश की प्रतिमा के अवशेषों ने इसकी शैव पहचान को पुष्ट किया। विद्वानों में तिथि को लेकर मतभेद है, लेकिन इस बात पर सहमति है कि मंदिर उस समय तक अत्यंत वैभवशाली बन चुका था और शीघ्र ही उसकी कठिन परीक्षा होने वाली थी।

यह परीक्षा कई आक्रमणों के रूप में आई। 725 ईस्वी में उमय्यद सेनापति जुनैद इब्न अब्द अल-रहमान अल-मुरी ने हमला किया, जिसे पहला इस्लामी आक्रमण माना जाता है। लेकिन सबसे बड़ा आघात 8 जनवरी 1026 को आया, जब गजनी का महमूद अपने पंद्रहवें अभियान में सोमनाथ पर चढ़ आया। अल-बिरूनी ने मंदिर की अपार संपदा का वर्णन किया है—सोना, चांदी, मोती, रत्न और गांवों से प्राप्त राजस्व। शिवलिंग को तोड़ा गया, खजाना लूट लिया गया।

फिर भी, पुरातात्त्विक प्रमाण बताते हैं कि मंदिर के अवशेषों को तुरंत एकत्र कर सुरक्षित रूप से भूमि में रखा गया। इसका अर्थ था कि श्रद्धा नष्ट नहीं हुई थी। 1038 तक गोवा के कदंब राजा ने सोमनाथ की तीर्थयात्रा की, जो यह दर्शाता है कि पूजा और पुनरुत्थान की भावना शीघ्र लौट आई थी। मंदिर का स्वरूप टूट गया था, लेकिन सभ्यता की चेतना जीवित रही।

इसके बाद भी विनाश और पुनर्निर्माण का क्रम चलता रहा। 1169 में सोलंकी राजा कुमारपाल ने पांचवां भव्य पत्थर का मंदिर बनवाया। प्रभास पाटन स्थित भद्रकाली मंदिर के शिलालेख में इसका उल्लेख मिलता है। 1299 में अलाउद्दीन खिलजी के सेनापति उलुघ खान ने मंदिर को ध्वस्त किया। स्थानीय वीर वाजा मालसुत और पदमल मंदिर की रक्षा करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। इसके बाद चुडासमा राजा महिपाल देव ने 1308 में मंदिर का पुनर्निर्माण कराया और उनके पुत्र खेंगार ने शिवलिंग की पुन: प्रतिष्ठा की।

1395 में जफर खान ने मंदिर को नष्ट कर वहां जामा मस्जिद और प्रशासनिक चौकी स्थापित की। बाद में महमूद बेगड़ा, पुर्तगाली आक्रमणकारी और फिर औरंगजेब के आदेशों से 1665 और 1706 में पुन: विध्वंस हुआ। पुजारियों की हत्या की गई, मंदिर परिसर को अपवित्र किया गया और संरचना को मिटाने के प्रयास हुए, लेकिन तीर्थ की चेतना जीवित रही। मंदिर भले बार-बार टूटा, स्मृति कभी नहीं टूटी। 1782–83 के आसपास अहिल्याबाई होळकर ने अपने निजी कोष से सोमनाथ के निकट एक नया पत्थर का मंदिर बनवाया। यही मंदिर 19वीं और 20वीं शताब्दी में श्रद्धा का केंद्र बना रहा। 1842 में ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड एलेनबरो ने अफगानिस्तान में महमूद गजनवी की कब्र से चंदन के द्वार मंगवाए और झूठा दावा किया कि वे 1026 में सोमनाथ से लूटे गए मूल द्वार हैं। यह ब्रिटिश साम्राज्य का एक राजनीतिक प्रचार था, जिसका उद्देश्य हिंदू समर्थन हासिल करना और औपनिवेशिक शासन को वैध ठहराना था। बाद में वे द्वार आगरा किले में रखे गए।

1922 में के.एम.मुंशी ने सोमनाथ के खंडहर देखे और उस अनुभव को 'श्रद्धा और लज्जा' के रूप में याद किया। उसी अनुभव ने उनके भीतर मंदिर पुनर्निर्माण का आजीवन संकल्प जगाया।

स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ की कहानी का अंतिम अध्याय शुरू हुआ। अक्टूबर 1947 में जूनागढ़ भारत में विलय हुआ और मंदिर पुनर्निर्माण पर लगी रोक हटाई गई। 12–13 नवंबर 1947 को सरदार पटेल, एन.वी. गाडगिल और जाम साहेब ने खंडहरों का दौरा किया। वहीं सरदार पटेल ने घोषणा की: 'इस शुभ नववर्ष दिवस पर हमने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का निर्णय लिया है।'

जूनागढ़ प्रशासन और जाम साहेब ने तत्काल दान की घोषणा की। मंदिर, संस्कृत विश्वविद्यालय और सांस्कृतिक केंद्र के लिए लगभग 5,000 एकड़ भूमि निर्धारित की गई।

बाद में विवाद भी हुआ। महात्मा गांधी की सलाह पर सरकार ने सीधे सरकारी धन का उपयोग न करने का निर्णय लिया। गांधी का मत था कि यह कार्य जनसहभागिता से होना चाहिए, ताकि यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण बने, न कि राज्य प्रायोजित धार्मिक परियोजना।

"हम अभी भी यहां हैं।
हम स्मरण रखते हैं।
हम पुनर्निर्माण करते हैं।
हम अडिग रहते हैं।"

शहर सरकार ध्यान दें...

शहर सरकार इस ओर ध्यान दें, दुर्ग पुलगांव नाला से शिवनाथ नदी इंटकवेल तक जलकुंभी पूरी तरह पट गया है इसे सफाई की सख्त ज़रूरत है क्योंकि बरसात के मौसम में यही जलकुंभी बाढ़ का कारण बनता हैं।

फोटो:नाहीद शेख

शहर विकास को नई दिशा देने निरंतर हो रहे जनहितकारी कार्य: महापौर

धमतरी। नगर पालिक निगम धमतरी अंतर्गत पोस्ट ऑफिस वार्ड में विभिन्न जनहित एवं आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में वार्डवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही तथा जनप्रतिनिधियों ने विकास कार्यों के माध्यम से क्षेत्र को और अधिक सुविधायुक्त एवं सुंदर बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर मरादेव मंदिर मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्य जिसकी लागत राशि 2.80 लाख है, एवं गिरधर पटेल घर से सोनकर फार्म हाउस तक सीसी रोड निर्माण कार्य जिसकी लागत राशि 4.55 लाख है, का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर रामू रोहरा रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति कौशिल्या देवांगन ने की। विशिष्ट उपस्थिति में विजय मोटवानी, वार्ड पार्षद चंद्रभागा साहू सहित एमआईसी सदस्य, पार्षदगण एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने अपने उदबोधन में कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के प्रत्येक वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

बाबा काबुली सरकार के 74वें उर्स का आगाज आज: महापौर चंद्राकर ने किया व्यवस्थाओं का निरीक्षण, श्रद्धालुओं के लिए जुटाई जाएंगी सुविधाएं

दुर्ग। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध दरगाह हजरत बाबा सैय्यद अब्दुल रहमान शाह काबुली रहमतुल्लाह अलैह (पुराना बस स्टैंड) का 74वां उर्स मुबारक आज से पूरी अकीदत के साथ शुरू हो रहा है। इस पांच दिवसीय भव्य आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने आज दुर्ग महापौर अलका चंद्राकर (बाघमार) ने एमआईसी सदस्यों के साथ दरगाह परिसर का निरीक्षण किया।

निगम मुस्तैद, मूलभूत सुविधाओं का आश्वासन- निरीक्षण के दौरान महापौर ने अधिकारियों को उर्स स्थल पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था और पीने के पानी जैसी जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उर्स पाक कमेटी के अध्यक्ष प्रकाश देशलहरा और जनरल सेक्रेटरी रऊफ कुरैशी ने महापौर को कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कराया और निगम से जुड़ी जरूरतों से अवगत कराया। महापौर ने कमेटी को आश्वासन दिया कि नगर निगम प्रशासन जायरीन की सुविधा के लिए हर संभव सहयोग करेगा।

आज परचम कुशाई, कल निकलेगा शाही संदल- आयोजन का आगाज आज शाम 'परचम कुशाई' की रस्म के साथ होगा।

बुधवार को शहर में भव्य 'शाही संदल' निकाला जाएगा, जिसमें शहर के बुद्धिजीवी, प्रतिष्ठित नागरिक और बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल होंगे। इसके बाद अगले तीन दिनों तक देश के मशहूर कव्वालों द्वारा सूफियाना कलाम और कव्वाली का शानदार प्रोग्राम पेश किया जाएगा।

दूसरे राज्यों से भी आते हैं जायरीन- बाबा काबुली सरकार का उर्स न केवल दुर्ग या छत्तीसगढ़, बल्कि अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए भी आस्था का बड़ा केंद्र है। पांच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में हजारों लोग दरगाह पर हाजिरी देकर अपनी मन्नतें मांगते हैं।

दुर्ग पुलिस को मिली बड़ी सफलता, जामुल के दो सूने मकानों का खुलासा

आदतन अपराधी 'गोरखा' साथियों सहित गिरफ्तार, सोने-चांदी के जेवरात और वाहन जब्त

दुर्ग। दुर्ग पुलिस ने जामुल थाना क्षेत्र में हुई चोरी की दो बड़ी वारदातों का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी सहित उसके साथियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एसीसीयू (छ्ष्ट) और जामुल पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर आदतन अपराधी अर्जुन सिंह उर्फ गोरखा को दबोचा, जिसके पास से चोरी का मशरूका बरामद किया गया है।

सूने मकानों को बनाया था निशाना- चोरी की पहली घटना 13 अप्रैल को हाउसिंग बोर्ड भिलाई निवासी सिम्मी अहिरवार के घर हुई थी, जहाँ अज्ञात चोरों ने अलमारी तोड़कर नगदी और चांदी के सामान पार कर दिए थे। वहीं, दूसरी घटना 24 से 28 अप्रैल के बीच प्रार्थी देव सिंह थापा के घर हुई, जब वे परिवार सहित एक विवाह कार्यक्रम में बाहर गए थे। चोरों ने उनके घर का ताला और अलमारी का लॉकर तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, नगदी और घरेलू सामान साफ कर दिया था।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज- घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मुखबिरों को सक्रिय किया। संदेह के आधार पर पुलिस ने अर्जुन सिंह उर्फ गोरखा उर्फ सुखविंदर उर्फ सरदार को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की दोनों वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के जेवरात और घरेलू सामान, पैसों से खरीदे गए 02 नग वीवो मोबाइल फोन।वारदात में प्रयुक्त एक्टिवा वाहन और दरवाजे तोड़ने के औजार बरामद किया है.जामुल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब आरोपियों से अन्य क्षेत्रों में हुई चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

दुर्ग में खौफनाक वारदात: 25 लोगों ने युवक की बेरहमी से कर दी हत्या

बचाने आए दो भाइयों की भी हालत नाजुक

दुर्ग। दुर्ग के राजीव नगर इलाके में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात आपसी रंजिश ने खूनी रूप अख्तियार कर लिया। वार्ड क्रमांक 03 के अंबेडकर चौक (राम जानकी मंदिर के पास) स्थित तालाब के नीचे करीब 20 से 25 हमलावरों ने एक 20 वर्षीय युवक पर लाठी, डंडों, सब्बल और चाकू से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। इस हमले में युवक के दो भाई भी लहूलुहान हुए हैं, जिनमें से एक की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

घर के बाहर टहलते वक्त हुआ हमला- मिली जानकारी के अनुसार, राजीव नगर निवासी जितेश ठाकुर (20 वर्ष), पिता बैसाखू ठाकुर, रात करीब 1:30 बजे अपने घर के बाहर टहल रहा था। तभी पुरानी रंजिश को लेकर घात लगाए बैठे 20 से 25 लोगों की भीड़ ने उसे घेर लिया। हमलावरों ने आव देखा न ताव और जितेश पर सब्बल और चाकुओं से ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए।

बीच-बचाव में आए भाई भी हुए शिकार- शोर सुनकर जितेश का सगा बड़ा भाई राहुल ठाकुर और चाचा का बेटा नेहरू ठाकुर उसे बचाने दौड़े। बेरहम हमलावरों ने उन दोनों को भी नहीं बख्शा और उन पर भी घातक हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल राहुल ठाकुर को गंभीर स्थिति में रायपुर के मेकाहारा अस्पताल के छ्व्ह्न में भर्ती कराया गया है, जहाँ उसकी जान पर संकट बना हुआ है।

पुलिस की कार्रवाई: 8 हिरासत में- वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुँची। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए अब तक 7 से 8 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। प्राथमिक जांच में मामला पुरानी रंजिश का बताया जा रहा है। पुलिस की अलग-अलग टीमें फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई हैं। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है।

दुर्ग जिले में दिल दहला देने वाला हादसा: कुम्हारी में सिलेंडर ब्लास्ट से एक ही परिवार के 4 लोग जिंदा जलेमृतकों में मासूम बच्ची भी शामिल

दुर्ग/कुम्हारी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक भीषण और हृदयविदारक हादसा हो गया। यहाँ एक मकान में रसोई गैस सिलेंडर फटने से हुए जोरदार धमाके और उसके बाद लगी भीषण आग में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक मासूम बच्ची भी शामिल है।

इतना जोरदार धमाका कि दहल उठा इलाका- मिली जानकारी के अनुसार, कुम्हारी के एक रिहायशी मकान में अचानक रसोई गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि इसकी आवाज काफी दूर तक सुनी गई। विस्फोट के साथ ही पूरे घर में आग की विकराल लपटें फैल गईं। आग ने इतनी तेजी से घर को अपनी चपेट में लिया कि अंदर मौजूद परिवार के सदस्यों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका।

राहत और बचाव कार्य- धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की भीषणता के आगे वे बेबस नजर आए। सूचना मिलते ही कुम्हारी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, जिसके बाद घर के अंदर से चार लोगों के जले हुए शव बरामद किए गए। कुम्हारी थाना प्रभारी पुरुषोत्तम कुर्रे ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मौके से चार शव बरामद किए गए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि सभी मृतक एक ही परिवार के थे। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है कि ब्लास्ट के पीछे की मुख्य वजह क्या थी।

आम्रपाली वनांचल सिटी में गूंजेगा जय श्रीराम; 14 मई को होगा भव्य मंदिर का लोकार्पण

भिलाई। भिलाई नगर निगम क्षेत्र की सुव्यवस्थित और शांत कॉलोनी, आम्रपाली वनांचल सिटी में आस्था का एक नया केंद्र स्थापित होने जा रहा है। कॉलोनीवासियों के लंबे इंतजार और सामूहिक सहयोग से निर्मित भव्य श्रीराम मंदिर का उद्घाटन आगामी 14 मई को धार्मिक विधि-विधान के साथ किया जाएगा।

250 परिवारों का सपना हुआ साकार

एम.पी. हाउसिंग बोर्ड के समीप स्थित इस कॉलोनी में लगभग 250 परिवार निवासरत हैं। पिछले लंबे समय से निवासियों को एक सार्वजनिक मंदिर की आवश्यकता महसूस हो रही थी। कॉलोनीवासियों के समर्पण और आपसी सहयोग से बना यह मंदिर अब क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक बन गया है। मंदिर निर्माण पूर्ण होने से पूरी कॉलोनी में हर्षोल्लास और उत्सव का माहौल है।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति में होगा उद्घाटन

14 मई को आयोजित होने वाले इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन उपस्थित रहेंगे। उनके कर-कमलों से मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा।

धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी

उद्घाटन के अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया है। इस भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता और आसपास के क्षेत्रवासी शामिल होकर पुण्य लाभ कमाएंगे। कॉलोनी के निवासियों ने इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए सभी भक्तों को आमंत्रित किया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड- 490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com